INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

सांध्य दैनिक
यूनिक समय

RNI-UPHIN/2023/85053

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त : DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-24 | मथुरा, शनिवार, 21 मार्च 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

गौतस्करों द्वारा फरसा वाले बाबा को कुचलने की अफवाह आग की तरह फैली

बाबा की मौत बना बवाल

- हजारों की संख्या में लोगों ने छाता में हाईवे पर किया हंगामा
- हादसे की अफवाह से भड़की भीड़, किया पथराव, हाईवे जाम
- पथराव में विहिप अध्यक्ष, प्रांत अध्यक्ष सहित कई घायल
- पुलिस कर्मी भी हुए चोटिल, आधा दर्जन वाहन क्षतिग्रस्त

जाम लगाकर बैठे गोभक्तों को समझाते पुलिस अधिकारी।

छाता हाईवे पर फरसा वाले बाबा की मौत की खबर के बाद हुए हंगामे को नियंत्रण करने को पहुंचे पुलिस के जवान।

पथराव से क्षतिग्रस्त पुलिस अधिकारी की गाड़ी।

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। गौरक्षक चंद्रशेखर उर्फ फरसा वाले बाबा की मौत पर फैली अफवाह ने विकराल रूप ले लिया। छाता क्षेत्र में बाबा के शव को रख कर लोगों की भीड़ ने जाम लगा कर बवाल किया। पुलिस पर पथराव किया। पथराव में पुलिस कर्मियों सहित विहिप के जिलाध्यक्ष भी घायल हो गए। पुलिस ने हलका बल प्रयोग कर स्थिति को नियंत्रण में किया। इलाके में पुलिस को तैनात किया गया है। बताया गया कि आज तड़के करीब तीन बजे बरसाना स्थित आजनौख गौशाला के संचालक गौरक्षक चंद्रशेखर उर्फ फरसा वाले बाबा को हाईवे पर गौ तस्करों के ट्रक के गुजरने की सूचना मिली। बाबा ने अपने एक साथी के साथ बाइक पर सवार होकर ट्रक का पीछा किया। थाना कोसीकलां थाना क्षेत्र में बाबा ने बाइक से शक के आधार पर ओवरटेक करने के बाद कंटेनर को रोक लिया। सुबह के वक्त हाईवे पर घना कोहरा होने के कारण पीछे से आते ट्रक के चालक को आगे कुछ दिखाई नहीं दिया। वह ट्रक खड़े कंटेनर को टक्कर मारता हुआ निकल गया। दुर्घटना में कंटेनर का चालक और चंद्रशेखर उर्फ फरसा वाले बाबा घायल हो गए। बाबा की मौत हो गई। बाबा की मौत को लेकर इलाके में अफवाह फैली कि गौतस्करों के ट्रक ने बाबा की हत्या कर दी है। बाबा की हत्या की खबर जंगल की आग की तरह पूरे ग्रामीण इलाके में फैल गई। घटना के विरोध में भारी संख्या में लोग छाता स्थित ब्लॉक कार्यालय के सामने करीब आठ बजे एकत्रित हो गए। घटना के विरोध में लोगों ने जमकर नारेबाजी की। देखते ही देखते हाईवे को जाम कर दिया। हाईवे पर जाम लगने का पता लगने पर पुलिस अधिकारी और भारी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंच गया। इसके बाद यहां उपद्रव शुरू हो गया। पुलिस पर भीड़ की ओर से जमकर पथराव किया गया। पुलिस के कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। कई पुलिसकमी भी चोटिल हो गए। जाम को खुलवाने के लिए पुलिस को हलका बल प्रयोग करना पड़ा। भीड़ को तितर बित्तर करने के लिए आंसू गैस का प्रयोग भी करना पड़ा। पुलिस ने कुछ लोगों को इस मामले में हिरासत में लिया है। कोसीकलां में चंद्रशेखर उर्फ फर्से वाले बाबा के साथ दुर्घटना में घायल हुए ट्रक चालक खुर्शीद की मौत की चर्चा है हालांकि पुलिस अधिकारियों ने अभी इसकी पुष्टि नहीं की है।

छाता में उपद्रवियों पर आंसू गैस छोड़ता पुलिसकर्मी।

छाता हाईवे पर पथराव के बाद सड़क पर बिखरे पड़े ईंट पत्थरों का नजारा।

तनाव से निपटने के लिए सेना को भी बुलाना पड़ा

यूनिक समय, मथुरा। गौ रक्षक चंद्रशेखर उर्फ फरसा वाले की मौत के बाद भड़के तनाव से निपटने के लिए प्रशासन ने सेना को भी बुला लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार एक गाड़ी में सेना के जवानों को घटना स्थल पर देखा गया था।

मुख्यमंत्री ने दिए सख्त कार्रवाई के आदेश

यूनिक समय, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मामले का संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। पुलिस का कहना है कि पूरे मामले की जांच की जा रही है और सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर कार्रवाई की जाएगी।

पथराव से विहिप नेता कन्हैया लाल एवं रणवीर सिंह घायल

यूनिक समय, कोसीकलां/मथुरा। छाता–कोसीकलां हाईवे क्षेत्र में फरसा वाले बाबा की मौत के बाद शनिवार को उपद्रव के बाद आगरा मंडल के डीआईजी द्वारा घटना स्थल बुलाई गई वार्ता के दौरान हुए पथराव में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के दो प्रमुख पदाधिकारी गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार विहिप के प्रांत अध्यक्ष कन्हैया लाल अग्रवाल स्वीटी सुपाड़ी और जिला अध्यक्ष रणवीर सिंह को डीआईजी ने घटनास्थल पर स्थिति को शांतिपूर्वक सुलझाने के लिए चर्चा हेतु बुलाया था। वार्ता के दौरान ही भीड़ उग्र हो गई और अचानक पथराव शुरू हो गया। इस अप्रत्याशित पथराव में दोनों पदाधिकारी गंभीर रूप से चोटिल हो गए। मौके पर मौजूद लोगों में अफरा–तफरी मच गई और घायल नेताओं को तत्काल सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया।

पथराव में जख्मी विहिप नेता कन्हैया लाल अग्रवाल एवं रणवीर सिंह।

तीन घंटे तक हाईवे पर चला हंगामा

यूनिक समय, मथुरा। प्रातः आठ बजे से पूर्वाह्न 11 बजे तक हाईवे पर जाम लगा रहा और वहां जमकर बवाल होता रहा। तीन घंटे बाद हाईवे पर आवागमन शुरू हो सका। इसके चलते हाईवे पर वाहनों की लंबी कतारे लगी रही।

उपद्रव करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई: डीआईजी

यूनिक समय, मथुरा। गौ तस्करों द्वारा चंद्रेशखर उर्फ फरसा वाले बाबा को ट्रक से कुचलने की खबर से इलाके में ही नहीं पुलिस महकमे में भी हड़कंप मच गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के गोवर्धन में गिरिराज महाराज की परिक्रमा चल रही थी। इसी दौरान इस वारदात का पता लगने पर एसएसपी श्लोक कुमार सहित अन्य सभी अधिकारी और बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स मौके पर पहुंच गया। आगरा से डीआईजी शैलेश कुमार पांडेय भी घटनास्थल पर पहुंच गए। इस बारे में डीआईजी ने बताया कि बाबा ने गौवंश की आशंका को देख कर एक कंटेनर का पीछा कर उसे रोक लिया था। कोहरे के चलते वहां से गुजरते तारों से भरे ट्रक ने ट्रक को टक्कर मार दी। दुर्घटना में फरसे वाले बाबा की मौत हो गई। चालक भी घायल है। कंटेनर में कोई गौवंश नहीं था। कुछ लोगों ने बाबा के शव को छाता में ब्लॉक के समीप रख कर हंगामा खड़ा कर दिया। पुलिस ने जब शव को ले जाने का प्रयास किया तो इन लोगों ने पथराव किया। कोसीकलां में हुई दुर्घटना पर कार्रवाई होगी। इसके साथ ही छाता में पुलिस पर पथराव करने वालों की पहचान कर उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। भीड़ को हटाकर जाम खुलवा दिया गया है।

दुर्घटना का भी दर्ज होगा मुकदमा

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पहुंचीं गिरिराज जी की शरण में

पूजा अर्चना कर लिया आशीर्वाद

चप्पे चप्पे पर रहा पुलिस बल तैनात

यूनिक समय, गोवर्धन। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शनिवार की सुबह गिर्राज जी पहुंची। दान घाटी मंदिर पर गिरिराज महाराज के दर्शन कर पूजा अर्चना कर देश की समृद्धि और मंगल कामना के लिए आशीर्वाद मांगा। राष्ट्रपति के दानघाटी पहुंचते ही मंदिर सेवायतों और वैदिक पंडितों ने वैदिक विधि विधान से राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से गिर्राज महाराज के पंचामृत अभिषेक के बाद दुग्ध अभिषेक करवाया। पूजा अर्चना से पहले चांदी के लोटे से गिर्राज महाराज का जलाभिषेक कराया गया। वैदिक रीति से मंत्र उच्चारण के साथ पूजा अर्चना कराई गई। धूप दीप पुष्प अर्पित करने के पश्चात राष्ट्रपति ने गिर्राज महाराज को दंडवत प्रणाम किया। इस मौके पर राष्ट्रपति के परिवार के सदस्यों ने भी गिर्राज महाराज की पूजा अर्चना कर आशीर्वाद लिया।

गोवर्धन स्थित दानघाटी पर गिरिराज महाराज की पूजा अर्चना करती राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू।

दानघाटी स्थित गिरिराज महाराज के मंदिर में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पूजा कराते श्री जी पीठाचार्य मनीष बाबा।

पुलिस प्रशासन बेहद सतर्क नजर आया और राष्ट्रपति के आगमन मार्ग से लेकर दानघाटी मंदिर तक क्षेत्र को अवैध किले में परिवर्तित कर दिया। चप्पा चप्पा पर पुलिस के जवान, तथा एनएसजी कमांडो तैनात रहे। इससे पहले मथुरा मार्ग पर सुबह–सुबह घना कोहरा के बीच राष्ट्रपति का काफिला गोवर्धन पहुंचा था। कस्बे के सभी मुख्य द्वारों के तिराहे और चौराहों को बड़ी भव्यता के साथ सजाया गया। राष्ट्रपति के स्वागत को जगह–जगह सड़क पर रंगोली और दीवारों पर चित्रकारी बनाई गई। राष्ट्रपति के स्वागत के लिए तैयार होर्डिंग्स से तिराहे और चौराहे अटे हुए नजर आए । गोवर्धन के चप्पे चप्पे पर पुलिस बल सुरक्षा व्यवस्था में तैनात था। प्रशासन ने भारी संख्या में राष्ट्रपति की सुरक्षा के लिए पुलिस बल तैनात किया।

सुबह से ही आगमन मार्ग पर स्थानीय लोगों का हुजूम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की एक झलक पाने को उमड़ पड़ा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का यह दौरा गोवर्धन की धार्मिक परंपराओं और स्थानीय संस्कृति को सम्मान देने के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

क्षेत्रीय विधायक ठाकुर मेघश्याम सिंह ने राष्ट्रपति का स्वागत किया। नई दिल्ली जाने से पहले ग्राम पैठा में बनाए हेलीपैड पर राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, यूपी के गन्ना विकास एवं चीनी मिल मंत्री चौ. लक्ष्मीनारायण एवं बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री संदीप सिंह आदि ने राष्ट्रपति को विदा किया।

गोल्फ कार्ट में सवार होकर गिरिराज महाराज की परिक्रमा करती राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू अपने परिवारिजन के साथ।

राष्ट्रपति ने गोल्फ कार्ट से लगाई परिक्रमा

संवाददाता

यूनिक समय, गोवर्धन। अपने तीन दिवसीय मथुरा, वृंदावन, गोवर्धन के धार्मिक प्रवास के दौरे के तीसरे दिन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शनिवार को यहां पहुंची। गिरिराज महाराज के दर्शन के बाद राष्ट्रपति का काफिला गोल्फ कार्ट से गिर्राज महाराज की सप्तकोसीय परिक्रमा करने निकल पड़ा। परिक्रमा मार्ग में जगह–जगह भगवान की लीलाओं से संबंधित तथा पर्यावरण से संबंधित चित्रकारी को देखकर राष्ट्रपति

परिक्रमा मार्ग में स्वच्छता, सुंदरता और चित्रकारी देख हुई अभिभूत

अभिभूत नजर आईं। इसके साथ ही परिक्रमा मार्ग का शांत वातावरण चारों तरफ हरियाली गिरिराज जी की तलहटी में सुंदर हरे वृक्ष, साफ सुथरा परिक्रमा मार्ग इत्यादि व्यवस्थाएं देखकर राष्ट्रपति सुखद अनुभव लेते हुई नजर आईं। गिरिराज महाराज की परिक्रमा करते हुए राष्ट्रपति का काफिला पहले आन्यौर गोविंद कुंड होते हुए राजस्थान सीमा में स्थित पूछरी के लौठा पर पहुंचा। फिर श्री नाथ जी मंदिर से जतीपुरा मुकुट मुखारविंद मंदिर पंहुचा। जहां से वह अपने काफ़िले के साथ गोवर्धन सरस्वती हॉस्पिटल से राधाकुण्ड की कुसुम सरोवर, गिर्राज मुकुट मुख़ारबिंद, दसविसा होते हुए दानघाटी मंदिर पहुंच कर अपनी यात्रा पूर्ण की। यात्रा में जगह जगह अपने वाहन से उतर कर ब्रजवासियों की राधे राधे का हाथ जोड़ अभिवादन किया।

गोवर्धन भ्रमण में राष्ट्रपति ने किया पौधारोपण

गोवर्धन में पौधारोपण करती राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू।

यूनिक समय, मथुरा। अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस पर राष्ट्रपति ने गोवर्धन भ्रमण के दौरान पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का सशक्त संदेश दिया। उन्होंने पौधा को पानी देकर उसके संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प भी व्यक्त किया। कार्यक्रम गोवर्धन क्षेत्र में आयोजित हुआ, जहां सुरक्षा व्यवस्था के बीच प्रशासनिक अधिकारी, जनप्रतिनिधि और अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। राष्ट्रपति के इस कदम को प्रतीकात्मक ही नहीं, बल्कि प्रेरणादायक पहल के रूप में देखा जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि ब्रज क्षेत्र में हरित आवरण बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं और यमुना

वन दिवस पर दिया हरित संदेश

किनारे हरित पट्टी विकसित करने जैसी योजनाओं पर काम चल रहा है। ऐसे में राष्ट्रपति द्वारा किया गया वृक्षारोपण अभियान को नई ऊर्जा देने वाला है। राष्ट्रपति के गोवर्धन दौरे के दौरान किया गया यह पौधारोपण स्पष्ट संदेश देता है कि ब्रज की आस्था के साथ–साथ उसकी हरियाली को बचाना भी उतना ही आवश्यक है। हालांकि, खबर लिखे जाने तक जनपद में अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस के अंतर्गत आयोजित अन्य कार्यक्रमों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है।

राष्ट्रपति के उड़ान भरने के साथ अफसरों ने राहत की सांस ली

नई दिल्ली रवाना होने से पहले गोवर्धन में पैठा स्थित बनाए हेलीपैड में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, यूपी के गन्ना विकास एवं चीनी मिल मंत्री चौ. लक्ष्मीनारायण एवं बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री संदीप सिंह का अभिवादन करती राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू।

गोवर्धन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का स्वागत करते विधायक ठाकुर मेघश्याम सिंह। साथ में हैं यूपी की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल।

यूनिक समय, मथुरा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के तीन दिवसीय मथुरा दौरा समापन के बाद नई दिल्ली के लिए हेलीकॉप्टर के उड़ान भरने के साथ अफसरों ने राहत की सांस ली। मथुरा, वृंदावन और गोवर्धन में राष्ट्रपति के सभी कार्यक्रम शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न होने के बाद अधिकारियों के चेहरों पर संतोष और मुस्कान साफ दिखाई दी। राष्ट्रपति के आगमन को लेकर प्रशासन कई दिनों से लगातार तैयारियों में जुटा हुआ था। सुरक्षा व्यवस्था से लेकर साफ–सफाई, यातायात नियंत्रण और भीड़ प्रबंधन तक हर छोटी–बड़ी व्यवस्था पर ध्यान दिया गया। अधिकारियों और कर्मचारियों ने दिन–रात मेहनत कर व्यवस्थाओं को मजबूत बनाया, जिससे कहीं भी कोई अव्यवस्था देखने को नहीं मिली। दौरे के दौरान हर स्थान पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था दिखी। राष्ट्रपति के कार्यक्रमों को ध्यान में रखते हुए यातायात व्यवस्था को भी बेहतर तरीके से संचालित किया गया। वृंदावन और गोवर्धन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु और स्थानीय लोग राष्ट्रपति की एक झलक पाने के लिए उमड़ पड़े। इस दौरान लोगों ने ठाकुर बांके बिहारी महाराज और गोवर्धन महाराज के जयकारे लगाए। जनता के उत्साह को देखकर राष्ट्रपति ने भी हाथ हिलाकर उनका अभिवादन किया, जिससे माहौल और भी उत्साहपूर्ण हो गया।

गोवर्धन चौराहा पर राष्ट्रपति के काफिले के लिए खड़ी पुलिस।

गोवर्धन रोड पर राष्ट्रपति के काफिले की सुरक्षा के मददे नजर बॅरिकेडिंग करती पुलिस।

तापमान / मौसम

27 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

19 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना–चांदी भाव

सोना

24 कैरेट 1,52,000

22 कैरेट 1,49,840

(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी

2,43,000 प्रति किलो

आपातकालीन सेवाएं

112	-आपातकालीन सेवा
1962	- रेलवे हेल्पलाइन
100	- पुलिस
108	- एंबुलेंस (स्वास्थ्य सेवा)
102	- एंबुलेंस (मातृ एवं शिशु सेवा)
101	- अग्निशमन (फायर ब्रिगेड)
1090	- महिला हेल्पलाइन
1091	- महिला पुलिस सहायता
1098	- चाइल्ड हेल्पलाइन
104	- स्वास्थ्य सलाह सेवा
1076	- मुख्यमंत्री हेल्पलाइन
1033	- राष्ट्रीय राजमार्ग आपात सेवा
1073	- सड़क दुर्घटना आपात सहायता

पढ़िए वो जो पढ़ना चाहिए यूनिक समय

www.uniquesamay.com

उपद्रव के बीच हाईवे पर लगाए जाम के बीच वाहनों का नजारा। पुलिस बल भी साफ दिखाई दे रहा है।

ब्रज में गूंजा फरसा वाले बाबा का नाम: कौन हैं 'फरसा वाले बाबा'?

फरसा वाले बाबा की निडर गोरक्षक संत के रूप में बनी थी पहचान

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। ब्रज क्षेत्र में "फरसा वाले बाबा" के नाम से प्रसिद्ध चंद्रशेखर महाराज एक ऐसे गो–रक्षक संत थे, जिन्होंने अपना पूरा जीवन गोसेवा और गोरक्षा के लिए समर्पित कर दिया। मथुरा जिले के कोसी कलां, छाता और आजनौख क्षेत्र में उनकी पहचान एक निडर और सक्रिय गो–रक्षक के रूप में रही। चंद्रशेखर महाराज को "फरसा वाले बाबा" नाम इसलिए मिला क्योंकि वे हमेशा अपने साथ वजनी फरसा रखते थे। यह फरसा केवल एक औजार नहीं, बल्कि गो–तस्करों के खिलाफ उनके संघर्ष और साहस का प्रतीक बन चुका था। वे केवल प्रवचन देने वाले संत नहीं थे, बल्कि जमीन पर उतरकर काम करने वाले कर्मयोगी थे। आजनौख में निवास करते हुए उन्होंने एक गोशाला भी संचालित कर रखी थी। जहां बेसहारा और घायल गायों की सेवा की जाती थी। उनका दिन–रात का अधिकांश समय गौसेवा में ही बीतता था। गो–तस्करी की सूचना मिलते ही वे तुरंत अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंच जाते थे और तस्करों का सामना करने से भी पीछे नहीं हटते थे। फरसा वाले बाबा ने गौरक्षा के लिए युवाओं की एक मजबूत टीम तैयार की थी, जिसमें सैकड़ों युवा शामिल थे। उनकी अगुवाई में यह टीम ब्रज क्षेत्र में सक्रिय रहकर गायों की सुरक्षा में जुटी रहती थी। स्थानीय स्तर पर उनके नेतृत्व को काफी सम्मान दिया जाता था और वे युवाओं के लिए प्रेरणा स्त्रोत माने जाते थे। करीब 65 वर्ष की आयु में भी उनका जोश और समर्पण युवाओं से कम नहीं था। वे निडर, मुखर और सख्त व्यक्तित्व के धनी थे, जो गो–तस्करी के खिलाफ खुलकर आवाज उठाते थे।ब्रज में "फरसा वाले बाबा" केवल एक नाम नहीं, बल्कि गोरक्षा के लिए समर्पित एक आंदोलन का प्रतीक बन चुके थे, जिनकी छवि आज भी लोगों के दिलों में जीवित है।

गाय के बच्चे को दुलार करते चंद्रशेखर उर्फ फरसा वाले बाबा।

चंद्रशेखर उर्फ फरसा वाले बाबा की मौत के बाद अंतिम संस्कार करते शिष्य और ग्रामीण।

गोरक्षक की मौत पर जन सहयोग समूह का रोष

यूनिक समय, मथुरा। गोरक्षक चंद्रशेखर उर्फ 'फरसा वाले बाबा' की मौत को लेकर जन सहयोग समूह ने गहरा दुःख और आक्रोश व्यक्त किया है। संगठन ने इसे गंभीर चिंता का विषय बताते हुए कहा कि देश में गोभक्तों और गोरक्षकों की सुरक्षा लगातार कमजोर होती जा रही है। जन सहयोग समूह के प्रतिनिधियों ने कहा कि एक ओर गोरक्षक असुरक्षित हैं, वहीं दूसरी ओर गोमांस के निर्यात को बढ़ावा दिया जा रहा है, जो विरोधाभासी स्थिति पैदा करता है। संगठन का मानना है कि इससे गोहत्या करने वालों को अप्रत्यक्ष संरक्षण मिलता है और गोरक्षा के प्रयास कमजोर पड़ते हैं। समूह ने सरकार से इन दोनों विरोधाभासी स्थितियों को तत्काल समाप्त करने की मांग की। जन सहयोग समूह ने राष्ट्रीय कामधेनु आयोग को पत्र भी भेजा है, जिसमें गोमांस के निर्यात पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने और गोरक्षकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की गई है। चेतावनी दी है कि यदि इस दिशा में शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई, तो वे व्यापक स्तर पर आंदोलन करने के लिए बाध्य होंग

फरसा वाले बाबा के अंतिम संस्कार में भीड़ उमड़ी

ग्राम आजनौख में चंद्रशेखर उर्फ फरसा वाले के पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद एकत्रित ग्रामीण।

यूनिक समय, मथुरा। गो रक्षक चंद्रशेखर उर्फ फरसा वाले के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। गोशाला में उनके पार्थिव शरीर को रखकर लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित की और अंतिम संस्कार किया। फरसा वाले बाबा के शव को उनके शिष्य आजनौख की गौशाला ले गए। शव को वहां अंतिम दर्शन के लिए रखा गया। बताया गया वहां प्रशासन के सामने पांच मांगे रखी गई। इसके साथ ही बाबा स्मारक बनवाने के आश्वासन के बाद बाबा का अंतिम संस्कार किए जाने की बात कही गई।

बाबा का स्मारक बनाने का दिया गया आश्वासन

फरसा वाले बाबा की मौत की हो जांच

यूनिक समय, वृंदावन। गौ रक्षक चंद्रशेखर उर्फ फरसा वाले बाबा की मौत पर धर्म रक्षा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सौरभ गौड़ ने गहरा शोक जताते हुए उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की।

कहा कि फरसा वाले बाबा कोई सामान्य संत नहीं थे वह गौ सेवकों, सनातनियों एवं बृजवासियों के मसीहा थे। निराशा व्यक्त करते हुए कहा कि स्थानीय पुलिस प्रशासन इस जघन्यतम मामले में लीपा पोती कर आरोपियों को बचाने में लगा है। यदि सरकार ने आरोपियों के खिलाफ कड़े कदम नहीं उठाये तो धर्म रक्षा संघ बड़े आंदोलन के लिए बाध्य होगा।

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालय:– यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक–पवन गौतम

फोन नंबर–0565–2420150,
मो. 9837155888
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

जिले भर की मस्जिदों में अदा की गई ईद-उल-फितर की नमाज

देश की तरक्की व खुशहाली के लिए मांगी गई दुआ

डीग गेट पर नमाज पढ़ कर आते नवाजी।

ईदगाह डीग गेट मैन रोड पर सीओ सिटी आशना चौधरी पुलिस के साथ।

मौसम की खराबी से ईदगाह में 45 मिनट देरी से शुरू हुई नमाज

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। शाही मस्जिद ईदगाह में आज ईद उल फितर की नमाज देश की खुशहाली और तरक्की की दुआ के साथ अदा की गई। खराब मौसम की वजह से नमाज 45 मिनट की देरी से शुरू हुई। नमाज समाप्त होने के बाद लोगों ने एक दूसरे के गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। रमजान माह में एक माह के रोजों के समाप्त होने के बाद शनिवार को ईद उल फितर मनाई गई। ईद की मुख्य नमाज डीग गेट स्थित शाही मस्जिद ईदगाह में सुबह 8 बजे का समय नियत था, लेकिन मौसम खराब होने और वातावरण में कोहरे की धुंध को लेकर कमेटी ने नमाज के समय में बदलाव कर इसे सुबह 8:45 बजे कर दिया। शाही मस्जिद ईदगाह कमेटी के सचिव तनवीर अहमद ने बताया कि मौसम खराब होने की वजह से नमाजी देरी से पहुंचे। इस कारण नमाज का समय तय समय से 45 मिनट आगे किया गया। नमाज शहर मुफ्ति मोहम्मद आसिफ रजा ने पढ़ाई। नमाज के बाद खुतबा हाफिज कदीर द्वारा पढ़ा गया। खुतबे के बाद मुल्क की खुशहाली, तरक्की की दुआ की गई। सचिव तनवीर अहमद ने बताया कि नमाजियों की सुविधा के लिए समूचे ईदगाह परिसर में कालीन आदि की व्यवस्था कमेटी की ओर से की गई थी। ईदगाह और उसके आस पास साफ सफाई की बेहतर व्यवस्था के लिए उन्होंने जिला प्रशासन को धन्यवाद दिया। नमाज के दौरान शाही मस्जिद ईदगाह कमेटी के अध्यक्ष डॉ. जेड हसन के अलावा उपाध्यक्ष गफ्फार अब्बास, सचिव जियाउल हक, डॉ. अबरार, सदस्य सुलेमान, अब्दुल रहमान, लाला पहलवान, निसार राइन, रशीद खान, शाहिद खान आदि मौजूद रहे। नमाज के लिए जिला प्रशासन द्वारा किए गए इंतजामों को लेकर शाही ईदगाह कमेटी ने धन्यवाद दिया। इसके अलावा जनपद की अन्य मस्जिदों में भी ईद उल फितर की नमाज अदा की गई। नमाज के बाद बाजार में रौनक दिखाई दी। मुस्लिम बाहुल्य इलाकों में सजी खेल खिलौनों की दुकानों पर भीड़ नजर आई।

राया प्रतिनिधि के अनुसार ईद का त्यौहार कस्बा में सौहार्द के साथ मनाया गया। मुस्लिमों ने नमाज अदा कर देश मे अमन चैन की दुआएं मांगी। कस्बे के मांट मार्ग ईदगाह मोहल्ला पठानपाड़ा, सुल्तान गंज जामा मस्जिद में नमाजियों ने नमाज अदा कर एक दूसरे को ईद की मुबारकबाद दी। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर थाना प्रभारी कर्मवीर सिंह क्राइम प्रभारी अरविंद कुमार कस्बा प्रभारी उज्ज्वल शर्मा सहित काफी संख्या में पुलिसबल तैनात रहा। इस मौके पर नगर पंचायत अध्यक्ष राजकुमार अग्रवाल, पूर्व चेयरमैन राकेश शर्मा, अरविंद शर्मा, अभिषेक पाराशर, विकास चौधरी, सभासद सरवन अहमद, सलीम कुरैशी, पवन सारस्वत, रिहान अली, नेपाली जाहिद कुरैशी तथा शाकिर कुरैशी आदि मौजूद थे।

नमाज होने के बाद ईद मिलते बच्चे।

मैन रोड ईदगाह मस्जिद में घुसने से पहले अपना आधार कार्ड दिखाते मुस्लिम लोग।

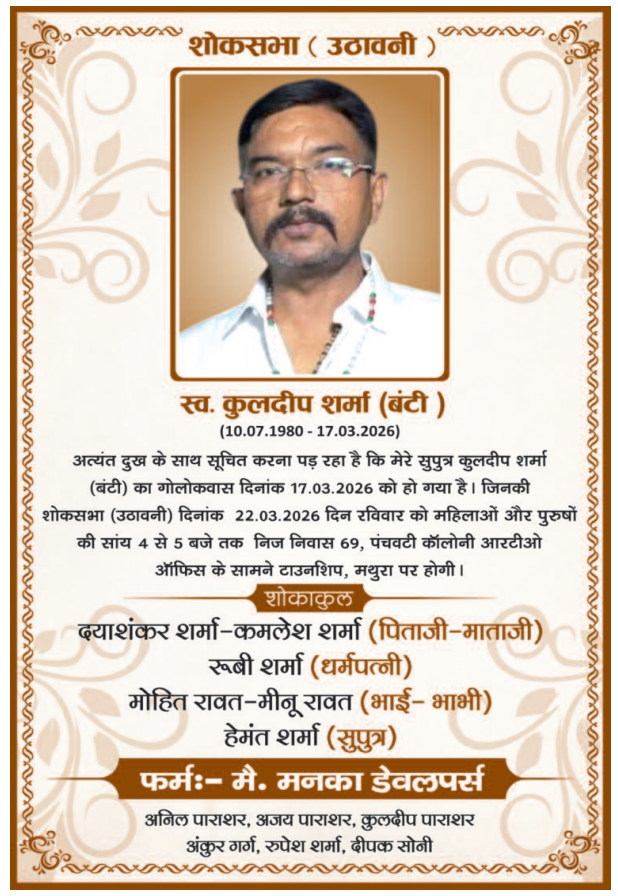

मथुरा-वृंदावन की हवा हुई बेहतर वृंदावन की हवा 'गुड' श्रेणी में

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। जनपद मथुरा और धार्मिक नगरी वृंदावन में इन दिनों मौसम के बदलाव के साथ वायु गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया है। आज की ताजा एयर क्वालिटी इंडेक्स रिपोर्ट के अनुसार वृंदावन का एयर क्वालिटी इंडेक्स 44 (गुड श्रेणी) दर्ज किया गया। वहीं पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अन्य शहरों की तुलना में भी मथुरा-वृंदावन की हवा अपेक्षाकृत साफ और बेहतर स्थिति में बनी हुई है। वर्तमान मौसम परिस्थितियों तेज हवाओं, हल्की बारिश और तापमान में गिरावट ने वातावरण को स्वच्छ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हाल के दिनों में तेज हवाओं की गति बढ़ने से धूल और प्रदूषण के कण वातावरण में फैल गए, जिससे वायु में घनत्व कम हुआ और एयर क्वालिटी इंडेक्स स्तर में सुधार देखने को मिला। इसके साथ ही बारिश की बूंदों ने भी वातावरण को धोने का काम किया, जिससे हवा और अधिक साफ महसूस की जा रही है।

बदलते मौसम का सकारात्मक असर

सूत्रों के अनुसार 0-50 के बीच की श्रेणी "अच्छी" मानी जाती है, जिसमें वायु गुणवत्ता सामान्य रूप से स्वस्थ रहती है, जबकि 51-100 के बीच "संतोषजनक" स्थिति होती है। वर्तमान में वृंदावन का स्तर "गुड" श्रेणी में होने से आमजन को राहत मिली है और शुद्ध हवा का अनुभव हो रहा है।

मथुरा-वृंदावन जैसे धार्मिक और पर्यटन स्थलों पर बेहतर वायु गुणवत्ता न केवल स्थानीय निवासियों के लिए, बल्कि देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए भी सुखद अनुभव प्रदान कर रही है।

सबक इंदौर हादसे के बाद डिजिटल सुरक्षा पर उठे गंभीर सवाल

स्मार्ट लॉक बना जानलेवा, मथुरा में बढ़ी टेंशन

विशेष संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। इंदौर की घटना ने "स्मार्ट" शब्द की परिभाषा ही बदल दी है, और उसकी गूंज अब मथुरा तक सुनाई देने लगी है। 17 मार्च की रात इंदौर की बृजेश्वरी एनेक्स कॉलोनी में रहने वाले रबर कारोबारी मनोज पुगलिया के तीन मंजिला मकान में भीषण आग लग गई। इस हादसे में 8 लोगों की जान चली गई। बताया गया कि मकान में लगे डिजिटल लॉक नहीं खुले, जिसकी वजह से घर के लोग बाहर नहीं निकल पाए। यानि सुरक्षा के लिए लगाया गया ताला ही सबसे बड़ा खतरा बन गया। मथुरा में इन दिनों नए-नए फ्लैट और पॉश कॉलोनियों का दौर चल रहा है। हर दूसरा घर "स्मार्ट होम" बनने की होड़ में है। दरवाजे पर डिजिटल लॉक, मोबाइल से कंट्रोल, फेस रिकग्निशन-सब कुछ इतना आधुनिक कि लगता है जैसे घर नहीं, कोई साइंस फिक्शन फिल्म का सेट हो। लेकिन अब लोग सोचने लगे हैं कि अगर इमरजेंसी में यही लॉक काम न करे, तो "स्मार्टनेस" किस काम की? पहले के जमाने में ताला साधारण होता था, लेकिन भरोसेमंद। चाबी घुमाई और दरवाजा खुल गया। अब हाल ये है कि दरवाजा खोलने के लिए पासवर्ड याद करो, मोबाइल ढूंढो, नेटवर्क पकड़ो और तब जाकर शायद दरवाजा खुले। वरना आप अंदर और "स्मार्ट लॉक" बाहर-दोनों अपनी-अपनी जिद पर अड़े। इंदौर की घटना के बाद मथुरा में चर्चा जोरों पर है। लोग कह रहे हैं "भाई, ताला तो ऐसा हो जो संकट में साथ दे, न कि परीक्षा ले।" अब कई लोग डिजिटल लॉक के साथ पुरानी चाबी भी रखने लगे हैं, ताकि जरूरत पड़ने पर तकनीक नहीं, तजुर्बा काम आए। व्यंग्य यही है कि हम अपने घरों को इतना "स्मार्ट" बना रहे हैं कि खुद ही उसमें फंसने का खतरा बढ़ा रहे हैं। मथुरा जैसे शहर में अब लोग यही सोच रहे हैं-"सुरक्षा चाहिए या दिखावा?" सबक साफ है-तकनीक अपनाइए, लेकिन समझदारी के साथ। क्योंकि अगर दरवाजा ही न खुले, तो फिर "स्मार्ट लॉक" नहीं, "साइलेंट खतरा" है।

बचाव को लेकर सुरक्षा उपाय जरूरी

हाल ही में आग लगने की घटनाओं में बढ़ते जोखिम को देखते हुए विशेषज्ञों ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। घरों में कम से कम दो निकास मार्ग रखने, डिजिटल लॉक के साथ मैनुअल चाबी का विकल्प रखने और फायर अलार्म लगाने की सलाह दी गई है। साथ ही इलेक्ट्रिकल वायरिंग की नियमित जांच और गैस सिलेंडर की लीकेज जांच को अनिवार्य बताया गया है। फायर एक्सटिंग्विशर रखने और आपात स्थिति में परिवार को सुरक्षित बाहर निकलने का प्रशिक्षण देने पर जोर दिया गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि थोड़ी सी सावधानी बड़ी दुर्घटनाओं को टाल सकती है।

श्रीकृष्ण काली पीठ में विश्व कल्याणार्थ शतचंडी महायज्ञ शुरू

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृन्दावन। गोपीनाथ बाजार स्थित श्री कृष्ण काली पीठ में नवरात्रि महोत्सव अंतर्गत 19 मार्च से विश्व कल्याणार्थ शतचंडी महायज्ञ की शुरुआत मां कृष्णा काली के सानिध्य में हो चुकी है। इसका समापन 28 मार्च को 108 कन्या पूजन, बटुक पूजन, सुवासिनी पूजन, पूर्णाहुति एवं भंडारा प्रसाद के साथ होगा। श्रीकृष्ण काली पीठाधीश्वर डॉ. केशवाचार्य महाराज ने बताया कि अति प्राचीन स्थल श्रीकृष्ण काली पीठ केशीघाट पर स्थित है। जहां मां का स्वयंभू प्रकट चतुर्भुजी कसौटी शिला का अचल विग्रह विद्यमान है। गोपीनाथ बाजार में मां कृष्ण काली का चल विग्रह विद्यमान है। ब्रज की आराध्या श्रीराधा रानी के प्रेम एवं अनन्य गोप पर कृपा करने को भगवान श्रीकृष्ण ने काली रूप धारण किया। स्वयं श्रीकृष्ण ब्रज वृन्दावन में श्रीकृष्ण काली के रूप में प्रकटित हुए। उन्होंने बताया कि पूर्व में माता सती के केश यहां गिरे। इसलिए इस स्थान का नाम के केश घाट था। किंतु बाद में जब भगवान श्रीकृष्ण ने केशी दैत्य का उद्धार किया, तभी से यह स्थल केशीघाट के रूप में प्रसिद्ध हुआ। जहां केश गिरे वही स्थल अद्यावधि श्रीकृष्ण काली पीठ के रूप में केशीघाट पर विद्यमान है। दुर्गा सप्तशती में भगवती के 108 नामों में मां कृष्ण काली को "पुरुषाकृति" नाम से उल्लेखित किया गया है। कालांतर में मां कृष्ण काली का चल विग्रह गोपीनाथ बाजार में विराजमान है। जो भक्त मां के दर्शन हेतु मंदिर में आते हैं उनकी मनोकामना की पूर्ति, वंश की वृद्धि, संतान की प्राप्ति, दुख, कष्ट, दरिद्रता से मुक्ति एवं सुख समृद्धि की पूर्ति होती है। कलयुग में यह स्थल माता की साधना, आराधना एवं भटके हुए मानव के शीघ्र संकल्पों की पूर्ति का स्थल है।

डॉ. केशवाचार्य

कोहरा देखकर हो गया हर कोई हैरान

मार्च की सुबह कोहरे ने फिर थामी जिंदगी की रफ्तार

बरेली हाईवे पर कोहरे के कारण ट्रैक्टर ट्रॉली से टकराने के बाद क्षतिग्रस्त हुई बस।

गोवर्धन चौराहा पर कोहरे की चादर का नजारा।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। मार्च माह में आज सुबह कोहरा देखकर हर कोई ठिठक गया। कोहरे के कारण लोगों को फिर से ठंड का अहसास होने लगा। पिछले दो दिनों से बिगड़ रहे मौसम के बाद शनिवार को सुबह आसमान से लेकर जमीन तक कोहरे की चादर से आम लोग हैरान रह गए। रेल यातायात, यमुना एक्सप्रेस एवं हाईवे पर यातायात थम सा गया। वाहनों की लाइट जलाकर चलाया जा रहा था। कोहरे के कारण सुबह यमुना महारानी, ठाकुर द्वारकाधीश मंदिर समेत अन्य मंदिरों में दर्शन करने के लिए जाने वाले श्रद्धालुओं के कदम रूक से गए। हालांकि अनेक श्रद्धालुओं की आस्था कोहरे पर भारी पड़ती नजर आई। दिन चढ़ने के साथ भगवान भास्कर के तल्ख तेवरों के सामने कोहरे की चादर छंटती नजर आई। राया प्रतिनिधि के अनुसार थाना राया क्षेत्र के अंतर्गत बरेली हाईवे मार्ग पर सुबह घने कोहरे में एक ट्रैवल बस ट्रैक्टर ट्रॉली से टकरा गयी। हालांकि इस हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ है। जानकारी के अनुसार शगुन ट्रैवल बस जयपुर से रात्रि को दो दर्जन सवारियां लेकर जा रही थी। सुबह अचानक आये घने कोहरे में बरेली हाईवे मार्ग पर गांव हुलु चिमला के बीच आगे चल भूसे से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली से टकरा गयी। इस दौरान बस में सवार सवारियों में चीख पुकार मच गयी। हादसे के बाद मार्ग पर वाहनों का जाम लग गया। घटना की सूचना पर बिचपुरी पुलिस चौकी प्रभारी वीरेंद्र सिंह मय पुलिसबल के साथ घटना स्थल पर पहुंच गए और क्षतिग्रस्त वाहनों को मार्ग से हटवाकर यातायात शुरू करवाया। वही बस सवार यात्रियों को अन्य वाहनों से उनके गन्तव्य स्थानों पर भिजवाया।

बारिश और हवा से फसलें प्रभावित प्रशासन ने जारी किए निर्देश

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। जिले में बेमौसम बारिश और तेज हवाओं ने किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया है। कई क्षेत्रों में खेतों में खड़ी गेहूं, सरसों सहित अन्य रबी फसलें बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। अचानक बदले मौसम ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है, वहीं प्रशासन ने नुकसान के आंकलन और राहत के लिए कवायद तेज कर दी है। जिला कृषि अधिकारी आवेश कुमार ने प्रभावित किसानों से अपील करते हुए कहा कि वे अपनी फसल क्षति की सूचना तुरंत टोल फ्री नम्बर 14447 पर दर्ज कराएं। इसके साथ ही किसान क्रॉप इंश्योरेंस ऐप के जरिए भी अपनी शिकायत ऑनलाइन दर्ज कर सकते हैं, जिससे सर्वे और मुआवजा प्रक्रिया में तेजी लाई जा सके। उन्होंने बताया कि सोमवार तक प्रारंभिक रिपोर्ट आने के बाद ही नुकसान की वास्तविक स्थिति स्पष्ट होगी। जिन किसानों ने फसल बीमा कराया है, उनके खेतों का सर्वे त्रिस्तरीय समिति द्वारा किया जाएगा। इस समिति में बीमा कंपनी के अधिकारी, राजस्व विभाग के लेखपाल और कृषि विभाग के अधिकारी शामिल रहेंगे, जो मौके पर जाकर विस्तृत आकलन करेंगे। कृषि विभाग के अधिकारी ने किसानों को सतर्क रहने की सलाह देते हुए कहा है कि वे खेतों में जलभराव न होने दें और मौसम पूर्वानुमान के अनुसार बचाव उपाय अपनाते रहें। सचेत ऐप के माध्यम से मौसम की जानकारी लेकर समय रहते फसलों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है। प्रशासन ने भरोसा दिलाया है कि प्रभावित किसानों को शीघ्र राहत पहुंचाने के लिए हर संभव कदम उठाए जा रहे हैं, ताकि उनका नुकसान कम किया जा सके।

किसान टोल फ्री नम्बर 14447 और क्रॉप इंश्योरेंस ऐप पर दर्ज करें शिकायत

सोमवार तक आएगी प्रारंभिक रिपोर्ट

नुकसान के आंकलन की कवायद तेज

राष्ट्रपति ने श्री राधा ब्रज वसुंधरा में सांस्कृतिक कार्यक्रम का किया अवलोकन

श्री राधा ब्रज वसुंधरा में राष्ट्रपति का स्वागत करते पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। स्नेह और प्रोत्साहन के भाव से अभिभूत होकर माननीय राष्ट्रपति जी ने गोल्फ़ कार्ट से नीचे उतरकर श्री राधा ब्रज वसुंधरा में आयोजित भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का अवलोकन किया। इस अवसर पर उन्होंने न केवल कार्यक्रम को देखा, बल्कि उसमें सक्रिय रूप से शामिल होकर कलाकारों का उत्साहवर्धन भी किया। कार्यक्रम स्थल पर पहुँचते ही वातावरण में उल्लास और गरिमा का संचार हो गया। स्थानीय कलाकारों द्वारा प्रस्तुत ब्रज संस्कृति पर आधारित नृत्य, संगीत और नाट्य प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। राष्ट्रपति जी ने पारंपरिक लोककला की सराहना करते हुए कहा कि ब्रज की सांस्कृतिक विरासत अत्यंत समृद्ध और प्रेरणादायक है, जिसे संरक्षित और प्रोत्साहित करना हम सभी का दायित्व है। उन्होंने कलाकारों से संवाद कर उनकी कला और मेहनत की प्रशंसा की।

इस दौरान उपस्थित जनसमूह ने भी तालियों की गड़गड़ाहट से कलाकारों का उत्साह बढ़ाया। कार्यक्रम में प्रशासनिक अधिकारी, गणमान्य अतिथि और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। पूरा आयोजन सांस्कृतिक एकता और भारतीय परंपराओं की जीवंत झलक प्रस्तुत करता रहा।

शहीद दिवस पर होगा पदयात्रा का आयोजन

यूनिक समय, मथुरा। भारत कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार ने 23 मार्च को शहीद दिवस पर पदयात्रा निकालने का निश्चय किया है। मेरा युवा भारत के जिला युवा अधिकारी अमित कुमार ने बताया कि शहीद भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव की शहादत पर 23 मार्च को सुबह 10.30 बजे से किशोरी रमन कन्या महाविद्यालय से प्रारम्भ होकर पदयात्रा डीडी प्लाजा, पंजाबी पेंच, डेम्पीयर चौराहा होकर शहीद भगत सिंह पार्क, डेम्पीयर नगर पहुंचेगी। शहीद दिवस पर 22 मार्च को ग्रामीण क्षेत्रों युवा मंडलों के सहयोग से श्रमदान, सार्वजनिक स्थलों की साफ सफाई कार्य किए जा रहे हैं।

मेरा युवा भारत मथुरा लेखा एवं कार्यक्रम पर्यवेक्षक रामवीर शर्मा ने बताया है मथुरा में पदयात्रा में मेरा युवा भारत के स्वयंसेवक के साथ राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के.आर. गर्ल्स कॉलेज, बी. एस. ए. कॉलेज, आर.सी.ए. गर्ल्स कॉलेज, के. आर. बांईज कॉलेज व अमरनाथ कॉलेज के स्वयंसेवक भाग ले रहे हैं।

गोविंद कुंड में चार दिवसीय आयोजन

क्लीन तलहटी, ग्रीन तलहटी मिशन को मिला बल

गोविंद कुंड में पौधारोपण करते लोग।

संवाददाता

यूनिक समय, गोवर्धन। आन्यौर स्थित पवित्र श्रीगोविंद कुंड में 19 से 22 मार्च तक 'नमो वृक्षेभ्यः' नामक चार दिवसीय वृक्षारोपण महोत्सव प्रारंभ हो गया है। यह कार्यक्रम वल्लभ संप्रदाय के आचार्य गोस्वामी प्रशांत कुमार महाराज की प्रेरणा से हुआ। इसमें देशभर से आए वैष्णव श्रद्धालुओं ने भाग लिया। महोत्सव के दौरान श्रीगिरिराज महाराज की तलहटी में 108 पौधों का विधिवत रोपण किया। इन पौधों को श्री विट्ठलनाथ जी के 108 नामों को समर्पित किया। यह कार्यक्रम 'क्लीन तलहटी, ग्रीन तलहटी' अभियान का हिस्सा रहा, जिसका उद्देश्य तलहटी को हरा-भरा, स्वच्छ एवं प्लास्टिक मुक्त बनाना है। आयोजन के माध्यम से श्रद्धालुओं को पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया। इस अवसर पर निलेश मोदी, आनन्द ठक्कर, सेझल झवेरी, राजेश वसानी, राजूभाई व्हाबी, सीओ अनिल कुमार सिंह, देवपाल पुंडीर तथा पर्यावरण प्रेमी दाउद्दयाल शर्मा आदि मौजूद थे।

केडी विश्वविद्यालय और चंद्रोदय मंदिर का मूल्य आधारित शिक्षा पर अनुबंध

छात्र-छात्राओं की बौद्धिक और आध्यात्मिक क्षमता बढ़ाने का अनूठा प्रयास

मूल्य आधारित शिक्षा के सहमति पत्रों को एक-दूसरे को प्रदान करते हुए केडी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. मनेष लाहौरी, कुलसचिव डॉ. विकास कुमार अग्रवाल और अकुर कृष्ण दास उपाध्यक्ष वृन्दावन चंद्रोदय मंदिर।

यूनिक समय, मथुरा। शिक्षा के क्षेत्र में एक नई पहल के तहत केडी विश्वविद्यालय और वृन्दावन चंद्रोदय मंदिर ने मूल्य आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए समझौता किया है। 18 मार्च को हुए इस अनुबंध पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. मनेष लाहौरी, कुलसचिव डॉ. विकास कुमार अग्रवाल और मंदिर के उपाध्यक्ष अकुर कृष्ण दास ने हस्ताक्षर किए। इसे ब्रज क्षेत्र में शिक्षा को नया आयाम देने वाला कदम माना जा रहा है। प्रति-कुलाधिपति मनोज अग्रवाल ने कहा कि भारत की विशाल शिक्षा प्रणाली के बावजूद गुणवत्तापूर्ण शिक्षा में कई बाधाएं हैं। ऐसे में यह पहल छात्रों को नैतिक और सामाजिक रूप से जागरूक बनाने में सहायक होगी। कुलपति डॉ. लाहौरी ने इसे मील का पत्थर बताते हुए कहा कि मूल्य आधारित शिक्षा से छात्रों में ईमानदारी, सहानुभूति, सत्यनिष्ठा और जिम्मेदारी जैसे गुण विकसित होते हैं। कुलसचिव डॉ. विकास अग्रवाल ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री देना नहीं, बल्कि छात्रों में नैतिक मूल्यों का विकास करना भी है। इससे वे समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझते हैं और समस्याओं के समाधान में भागीदारी निभाते हैं। वृन्दावन चंद्रोदय मंदिर के उपाध्यक्ष अकुर कृष्ण दास ने बताया कि वे पिछले पांच वर्षों से वैल्यू एज्यूकेशन प्रोग्राम चला रहे हैं। इस सहयोग के तहत छात्रों को बौद्धिक, भावनात्मक और आध्यात्मिक रूप से सशक्त बनाने के लिए विशेष पाठ्यक्रम, डिजिटल सामग्री और प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से छात्रों में आत्म-जागरूकता, मानसिक स्थिरता, तनाव प्रबंधन और सामाजिक चुनौतियों से निपटने की क्षमता विकसित की जाएगी। यह पहल आने वाली पीढ़ी को एक बेहतर और जिम्मेदार नागरिक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

बदलती जीवनशैली में तेजी से बढ़ रही फैटी लिवर की समस्या

कैसे रखें अपने लिवर को हेल्दी और स्ट्रॉन्ग

यूनिक समय, नई दिल्ली। आज के समय में लिवर से जुड़ी बीमारियां तेजी से बढ़ती चिंता का कारण बन रही हैं। बदलती जीवनशैली, गलत खान-पान और शारीरिक गतिविधि की कमी ने लिवर को कमजोर बना दिया है। ऐसे में नवरात्र जैसे अवसर हमें न सिर्फ आध्यात्मिक शुद्धि का मौका देते हैं, बल्कि शरीर को भी संतुलित करने का एक बेहतरीन समय होते हैं।

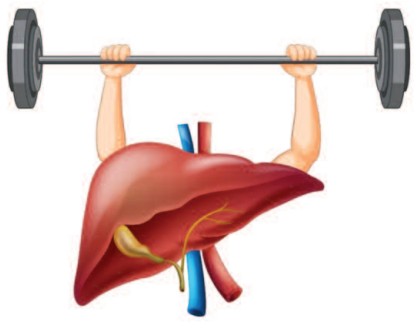

मथुरा के गेस्ट्रो विशेषज्ञ डॉ. नितिन गोयल ने बताया कि हल्का और संतुलित भोजन करने से पाचन तंत्र को आराम मिलता है और शरीर खुद को डिटॉक्स करने लगता है। जब मौसम सर्दी से गर्मी की ओर बदलता है, तब शरीर को नई परिस्थितियों के अनुसार ढलने के लिए सही दिनचर्या और खान-पान की जरूरत होती है। अगर इस दौरान तले-भुने, जंक फूड और अधिक मीठे से दूरी बनाई जाए और उसकी जगह फल, साबुत अनाज और हल्का भोजन लिया जाए, तो यह लिवर के लिए बहुत फायदेमंद होता है। साथ ही सुबह की सैर, योग और हल्की एक्सरसाइज जैसे जॉगिंग को दिनचर्या में शामिल करने से शरीर सक्रिय रहता है और फैटी लिवर का खतरा कम होता है। भारत में फैटी लिवर की समस्या तेजी से बढ़ रही है। आंकड़ों के अनुसार, लगभग हर तीसरा व्यक्ति इस समस्या से प्रभावित है। यदि समय रहते इस पर ध्यान न दिया जाए, तो यह आगे चलकर फाइब्रोसिस, सिरोसिस और यहां तक कि लिवर कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का कारण बन सकता है।

गेस्ट्रो विशेषज्ञ डॉ. नितिन गोयल ने बताया कि लिवर हमारे शरीर का एक महत्वपूर्ण अंग है, जो खून को साफ करने, टॉक्सिन्स बाहर निकालने, पाचन में मदद करने और इम्यूनिटी बढ़ाने का काम करता है। इसलिए इसकी देखभाल बेहद जरूरी है। इसके लिए प्लांट-बेस्ड डाइट अपनाना, लो-फैट डेयरी प्रोडक्ट्स का सेवन करना और नियमित व्यायाम करना बेहद लाभकारी होता है। कम उम्र से ही लिवर की सेहत का ध्यान रखना जरूरी है। एक अनुशासित जीवनशैली, संतुलित आहार और नियमित योग अभ्यास से लिवर को स्वस्थ और मजबूत बनाया जा सकता है।

गर्मियों में ठंडक देगा सौंफ का शरबत, जानिए आसान रेसिपी

यूनिक समय, नई दिल्ली। गर्मियों के मौसम में शरीर को ठंडक देने के लिए सौंफ का शरबत एक बेहतरीन और हेल्दी विकल्प है। सौंफ अपने कूलिंग गुणों के लिए जानी जाती है, जो शरीर को अंदर से ठंडा रखने में मदद करती है। यह ड्रिंक स्वादिष्ट होने के साथ-साथ पाचन के लिए भी फायदेमंद है।

सौंफ का शरबत बनाने के लिए सबसे पहले एक पैन में 3 कप पानी लें और उसमें आधा कप सौंफ, 2 हरी इलायची, 2 लौंग और 5-6 काली मिर्च डालें। इस मिश्रण को मीडियम आंच पर लगभग 15-20 मिनट तक उबालें, ताकि सभी मसालों का फ्लेवर अच्छी तरह पानी में उतर जाए।

इसके बाद मिश्रण को छान लें और उसमें अपनी पसंद के अनुसार स्वीटनर या शुगर फ्री मिलाकर दोबारा हल्का गर्म करें, जब तक वह पूरी तरह घुल न जाए। अब इस सिरप को ठंडा होने के लिए रख दें। शरबत तैयार करने के लिए एक गिलास में थोड़ा सा तैयार सिरप डालें। इसमें ताजी पुदीने की पत्तियां, स्वादानुसार काला नमक, थोड़ा साधारण नमक और आधा चम्मच भुनी हुई सौंफ का पाउडर मिलाएं। फिर बर्फ के टुकड़े और ठंडा पानी डालकर अच्छे से मिक्स करें। आपका ठंडा-ठंडा सौंफ का शरबत तैयार है। इसे पीकर आपको तुरंत ताजगी महसूस होगी। इस सिरप को आप एयरटाइट कंटेनर में स्टोर करके कई दिनों तक इस्तेमाल भी कर सकते हैं।

रोज पपीता खाने के फायदे

यूनिक समय, नई दिल्ली। पपीता एक ऐसा फल है, जो पोषक तत्वों से भरपूर होता है और रोजाना सेवन करने से कई स्वास्थ्य लाभ मिलते हैं। इसमें विटामिन सी विटामिन ए फाइबर, पोटैशियम और एंटीऑक्सीडेंट अच्छी मात्रा में पाए जाते हैं, जो शरीर को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं।

सबसे बड़ा फायदा पाचन तंत्र को मिलता है। पपीते में मौजूद एंजाइम पपेन भोजन को जल्दी पचाने में मदद करता है, जिससे कब्ज, गैस और अपच जैसी समस्याओं से राहत मिलती है। रोज एक कटोरी पपीता खाने से गट हेल्थ बेहतर होती है। यह वजन घटाने में भी सहायक है। पपीता कम कैलोरी वाला और फाइबर से भरपूर होता है, जिससे पेट लंबे समय तक भरा रहता है और बार-बार भूख नहीं लगती। इम्यूनिटी बढ़ाने में भी पपीता अहम भूमिका निभाता है। इसमें मौजूद विटामिन सी शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाता है। साथ ही, आंखों की रोशनी के लिए भी यह फायदेमंद है।

सेहत के लिए भी पपीता अच्छा माना जाता है। यह कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में मदद करता है, जिससे हार्ट से जुड़ी बीमारियों का खतरा कम होता है। कुल मिलाकर, सही मात्रा में रोज पपीता खाना शरीर के लिए बेहद लाभकारी साबित हो सकता है।

चेहरे पर हल्दी कैसे लगाएं? जानें आसान तरीका

यूनिक समय, नई दिल्ली। हल्दी न सिर्फ सेहत बल्कि त्वचा के लिए भी बेहद फायदेमंद मानी जाती है। इसमें मौजूद एंटीसेप्टिक और एंटीऑक्सीडेंट गुण स्किन को साफ, चमकदार और हेल्दी बनाने में मदद करते हैं। आप घर पर ही आसानी से हल्दी का फेस पैक तैयार कर सकते हैं।

फेस पैक बनाने के लिए एक कटोरी में एक चम्मच हल्दी लें। इसमें 2 चम्मच बेसन और थोड़ा सा दही मिलाएं। इन तीनों चीजों को अच्छे से मिलाकर स्मूद पेस्ट तैयार कर लें। यह पूरी तरह नेचुरल और केमिकल-फ्री फेस पैक है। अब इस पेस्ट को अपने चेहरे और गर्दन पर समान रूप से लगाएं। इसे 15-20 मिनट तक सूखने दें और फिर साफ पानी से चेहरा धो लें। बेहतर परिणाम के लिए इसे हफ्ते में 1-2 बार इस्तेमाल करें। यह फेस पैक त्वचा का निखार बढ़ाने, टैनिंग कम करने और स्किन को मुलायम बनाने में मदद करता है। साथ ही, पिंपल्स की समस्या से राहत दिलाने में भी कारगर हो सकता है। ध्यान रखें कि इस्तेमाल से पहले पैच टेस्ट जरूर करें, ताकि किसी तरह की एलर्जी से बचा जा सके। नियमित उपयोग से आपकी त्वचा साफ और दमकती नजर आने लगेगी।

गुड़हल के फूल का फेस पैक कैसे बनाएं?

यूनिक समय, नई दिल्ली। गुड़हल का फूल त्वचा के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। इसमें मौजूद प्राकृतिक गुण स्किन को हेल्दी, सॉफ्ट और ग्लोइंग बनाने में मदद करते हैं। खास बात यह है कि इसे घर पर आसानी से फेस पैक के रूप में तैयार किया जा सकता है।

फेस पैक बनाने के लिए सबसे पहले 4-5 गुड़हल के फूलों की पंखुड़ियों को अच्छी तरह धो लें। फिर इन्हें पीसकर एक स्मूद पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट में थोड़ा सा दही या एलोवेरा जेल मिलाएं और अच्छे से मिक्स कर लें। आपका नेचुरल फेस पैक तैयार है। इसे इस्तेमाल करने के लिए इस पेस्ट को चेहरे और गर्दन पर समान रूप से लगाएं। लगभग 15-20 मिनट तक इसे लगा रहने दें, फिर साफ पानी से चेहरा धो लें। ध्यान रखें कि फेस पैक लगाने से पहले पैच टेस्ट जरूर करें, ताकि किसी तरह की एलर्जी से बचा जा सके। इस फेस पैक का इस्तेमाल हफ्ते में 1-2 बार करने से त्वचा में निखार आने लगता है। यह रूखी और बेजान त्वचा को मुलायम बनाता है और स्किन को लंबे समय तक जवां बनाए रखने में भी मदद करता है।

गर्मियों में स्टाइलिश लुक के लिए ट्रेंडी मैक्सी ड्रेस

यूनिक समय, नई दिल्ली। गर्मियों का मौसम शुरू होते ही हर कोई हल्के और कंफर्टेबल कपड़े पहनना पसंद करता है। ऐसे में मैक्सी ड्रेस एक बेहतरीन ऑप्शन साबित होती हैं, जो स्टाइलिश होने के साथ-साथ पहनने में भी बेहद आरामदायक होती हैं।

प्रिंटेड मैक्सी ड्रेस गर्मियों के लिए सबसे ज्यादा पसंद की जाती हैं। ये न केवल देखने में आकर्षक लगती हैं, बल्कि कैजुअल आउटिंग, ऑफिस या वेकेशन के लिए भी परफेक्ट रहती हैं। इनके साथ सिंपल एक्सेसरीज जोड़कर आप अपने लुक को और बेहतर बना सकती हैं। मल्टीकलर प्रिंट वाली मैक्सी ड्रेस भी ट्रेंड में हैं। इनमें ट्यूब स्टाइल या फुल स्लीव्स जैसे कई डिजाइन मिल जाते हैं, जो आपको अलग और खूबसूरत लुक देते हैं। अगर आप थोड़ा बोल्ड और एलिगेंट लुक चाहती हैं, तो रेड कलर मैक्सी ड्रेस एक अच्छा विकल्प है। इसमें बेल्ट डिजाइन और हाफ स्लीव्स जैसे स्टाइल्स आपके लुक को और खास बना देते हैं। सही फिटिंग और स्टाइलिंग के साथ मैक्सी ड्रेस आपको गर्मियों में कंफर्टेबल और फैशनेबल दोनों बनाए रखती हैं।

जटा वाले कच्चे नारियल को तोड़ने का आसान तरीका

यूनिक समय, नई दिल्ली। कच्चे नारियल (जटा वाले नारियल) का इस्तेमाल कई तरह की रेसिपीज में किया जाता है, लेकिन इसे तोड़ना और अंदर की सफेद गरी निकालना अक्सर मुश्किल लगता है। सही तरीके अपनाकर आप यह काम आसानी से और बिना ज्यादा मेहनत के कर सकते हैं।

सबसे पहले नारियल की जटा (ऊपरी रेशे) हटाएं। इसके लिए नारियल को कुछ देर गर्म पानी में डालकर रखें, जिससे छिलका नरम हो जाएगा और जटा आसानी से निकल जाएगी। अब चाकू या पेचकस की मदद से इसे साफ कर लें। इसके बाद नारियल के ऊपर बने आंख जैसे निशानों में से किसी एक में छेद करके उसका पानी निकाल लें। पानी निकालने के बाद नारियल को 1-2 मिनट के लिए माइक्रोवेव या हल्के गर्म ओवन में रखें। इससे अंदर की गरी छिलके से अलग होने लगती है। अगर माइक्रोवेव न हो, तो आप नारियल को गैस पर हल्का गर्म भी कर सकते हैं। फिर इसे हथौड़े से बीच में मारकर दो हिस्सों में तोड़ लें। इसके बाद चाकू की मदद से आसानी से पूरी गरी निकाल लें। इन आसान तरीकों से नारियल तोड़ना और उसकी पूरी गरी निकालना बहुत सरल हो जाता है।

राजस्थान का 'कश्मीर' माउंट आबू

गर्मियों में घूमने के लिए बेहतरीन जगह

यूनिक समय, नई दिल्ली। राजस्थान की भीषण गर्मी से राहत पाने के लिए माउंट आबू एक शानदार विकल्प है। सिरोही जिले में अरावली पर्वतमाला की ऊँचाइयों पर स्थित यह राज्य का एकमात्र हिल स्टेशन है, जो अपनी ठंडी जलवायु, हरियाली और शांत वातावरण के लिए प्रसिद्ध है। रेगिस्तान के बीच बसा यह खूबसूरत स्थल पर्यटकों को एक अलग ही अनुभव देता है।

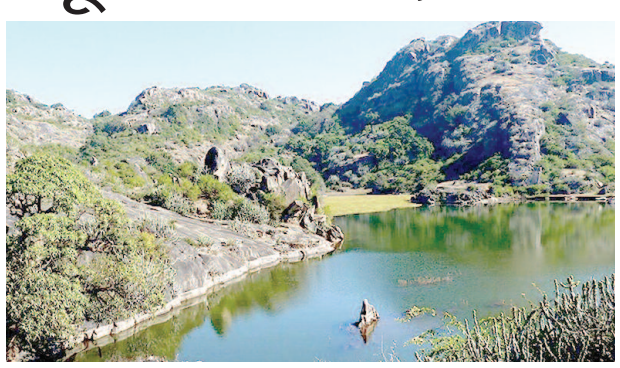

माउंट आबू में कई आकर्षक पर्यटन स्थल हैं। नक्की झील यहाँ की सबसे लोकप्रिय जगहों में से एक है, जहाँ पर्यटक बोटिंग का आनंद लेते हैं। मान्यता है कि इस झील को देवताओं ने अपने नाखूनों से बनाया था। इसके अलावा दिलवाड़ा जैन मंदिर अपनी अद्भुत संगमरमर की नक्काशी के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध हैं। इन मंदिरों की वास्तुकला और बारीक शिल्पकला हर किसी को मंत्रमुग्ध कर देती है। अगर आप ऊँचाई से प्राकृतिक नजारों का आनंद लेना चाहते हैं, तो गुरु शिखर जरूर जाएं, जो अरावली की सबसे ऊँची चोटी है। वहीं सनसेट पॉइंट पर शाम के समय डूबते सूरज का दृश्य बेहद खूबसूरत दिखाई देता है।

माउंट आबू का मौसम पूरे साल सुहावना रहता है। गर्मियों में तापमान 23°C से 33°C के बीच रहता है, जो घूमने के लिए अनुकूल है। मानसून में यहाँ की हरियाली और भी बढ़ जाती है, जबकि सर्दियों में ठंडा और रोमांटिक मौसम पर्यटकों को खास आकर्षित करता है। यहाँ हर साल समर फेस्टिवल का आयोजन भी किया जाता है, जिसमें लोक संगीत, नृत्य और सांस्कृतिक कार्यक्रम देखने को मिलते हैं। साथ ही, यहाँ के स्थानीय व्यंजन और हस्तशिल्प भी पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय हैं। माउंट आबू सड़क, रेल और हवाई मार्ग से आसानी से पहुँचा जा सकता है। निकटतम रेलवे स्टेशन आबू रोड और हवाई अड्डा उदयपुर में स्थित है। प्राकृतिक सुंदरता, आध्यात्मिकता और सुकून भरे माहौल का अनोखा संगम माउंट आबू को एक परफेक्ट समर डेस्टिनेशन बनाता है।

डाउन सिंड्रोम के लक्षण कैसे पहचानें?

यूनिक समय, नई दिल्ली। डाउन सिंड्रोम एक जेनेटिक स्थिति है, जो तब होती है जब 21वें क्रोमोसोम की अतिरिक्त कॉपी मौजूद होती है। इसका असर बच्चे के शारीरिक और मानसिक विकास पर पड़ता है। इसके कुछ सामान्य लक्षणों में चपटा चेहरा, छोटी नाक, बादाम आकार की आंखें और आंखों का ऊपर की ओर झुकाव शामिल हैं। कई बच्चों में मांसपेशियों में ढीलापन और जीभ का बाहर निकलना भी देखा जा सकता है। विकास में देरी भी इसका अहम संकेत है। अगर बच्चा बैठने, चलने या बोलने में सामान्य से ज्यादा समय ले रहा है, तो यह ध्यान देने वाली बात है।

सुविचार

जो समय की कदर करता है, समय उसकी कदर करता है।

कल का पंचांग

तिथि	चतुर्थी	11:56-09:16 तक	पक्ष		शुक्ल पक्ष
नक्षत्र	भरणी	12:37-10:42 तक	माह		चैत्र
सूर्योदय		6:32 AM	चन्द्रोदय		8:26 AM
सूर्यास्त		6:34 PM	चंद्रास्त		10:13 PM
सूर्य राशि		मीन राशि	चंद्र		मेष राशि
शुभ मुहूर्त		12:12PM -12:59 PM	ब्रहम् मुहूर्त		05:018-06:05
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्		2083
राहुकाल		05:04 PM:06:34 PM	वार		रविवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

पीआईपी से बचना है तो बदलें ऑफिस का वास्तु

वरना बिगड़ सकता है अप्रेजल गेम!

यूनिक समय, मथुरा। मार्च का महीना आते ही कॉरपोरेट दफ्तरों में अप्रेजल की चर्चा तेज हो जाती है। हर कर्मचारी पूरे साल की मेहनत का बेहतर परिणाम चाहता है, लेकिन कई बार कुछ लोगों को निराशा भी हाथ लगती है। खासतौर पर पीआईपी (परफॉर्मेंस इम्प्रूवमेंट प्लान) में नाम आना किसी झटके से कम नहीं होता। ऐसे में अगर आप अपने करियर को सुरक्षित रखना चाहते हैं, तो वास्तु शास्त्र के अनुसार ऑफिस में कुछ छोटे-छोटे बदलाव आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं।

सबसे पहले बैठने की दिशा पर ध्यान देना बेहद जरूरी है। वास्तु के अनुसार, पूर्व दिशा की ओर मुख करके काम करने से एकाग्रता और निर्णय क्षमता बढ़ती है। वहीं उत्तर दिशा की ओर बैठना करियर ग्रोथ और आर्थिक स्थिरता के लिए शुभ माना जाता है। अगर आपकी सीटिंग दिशा सही नहीं है, तो उसे बदलने की कोशिश जरूर करें।

दूसरा अहम पहलू है साफ-सफाई। अक्सर लोग अपने वर्कस्टेशन को नजरअंदाज कर देते हैं, जिससे वहां अव्यवस्था और नकारात्मक ऊर्जा बढ़ने लगती है। टेबल पर अनावश्यक सामान, टूटी-फूटी चीजें या बिखरे कागज न केवल फोकस कम करते हैं, बल्कि तनाव भी बढ़ाते हैं। साफ-सुथरा और व्यवस्थित कार्यस्थल सकारात्मक ऊर्जा के प्रवाह को बढ़ाता है, जिससे मन शांत और काम में मन लगता है। रंगों का चयन भी आपके प्रदर्शन पर असर डालता है। हल्का नीला और हरा रंग मानसिक शांति और फोकस को बढ़ाते हैं, जबकि सफेद या क्रीम रंग संतुलन बनाए रखते हैं। इसके विपरीत, ज्यादा लाल या काले रंग का प्रयोग आक्रामकता और तनाव को बढ़ा सकता है, इसलिए इनसे बचना बेहतर होता है। ऑफिस में पौधे रखना भी काफी लाभकारी माना गया है। मनी प्लांट, बांस या पीस लिली जैसे पौधे न केवल वातावरण को ताजा बनाते हैं, बल्कि सकारात्मक ऊर्जा भी बढ़ाते हैं। इन्हें उत्तर या पूर्व दिशा में रखना विशेष रूप से शुभ माना जाता है। इसके अलावा अमेथिस्ट या क्वार्ट्ज जैसे क्रिस्टल भी मानसिक संतुलन बनाए रखने में सहायक होते हैं। अंत में, लाइटिंग पर ध्यान देना जरूरी है। खराब रोशनी न केवल आंखों पर असर डालती है, बल्कि मानसिक तनाव भी बढ़ाती है। सही और संतुलित लाइटिंग से काम का माहौल बेहतर होता है और मनोबल ऊंचा रहता है।

इन आसान वास्तु उपायों को अपनाकर आप न केवल अपने वर्कस्पेस को बेहतर बना सकते हैं, बल्कि अप्रेजल में सफलता पाने की संभावना भी बढ़ा सकते हैं।

निर्जला एकादशी सभी एकादशी में सबसे श्रेष्ठ

एक दिन के उपवास से मिलता है पूरे साल का पुण्य

यूनिक समय, मथुरा। हिंदू धर्म में निर्जला एकादशी को सबसे कठिन और पुण्यदायी व्रतों में गिना जाता है। यही वजह है कि श्रद्धालु पूरे साल इस व्रत का इंतजार करते हैं। यह व्रत ज्येष्ठ शुक्ल एकादशी को रखा जाता है और मान्यता है कि इसे करने से सालभर की सभी एकादशी का फल एक साथ मिल जाता है। धार्मिक कथाओं के अनुसार, महाभारत काल में भीमसेन भी इस व्रत को रखने वाले प्रमुख पात्रों में से थे। कहा जाता है कि भीमसेन भोजन के बिना नहीं रह पाते थे, लेकिन उन्होंने भी इस कठिन निर्जला एकादशी का व्रत रखा और भगवान की कृपा प्राप्त की। इसी कारण इस व्रत का महत्व और बढ़ जाता है। पंचांग के अनुसार निर्जला एकादशी की तिथि 24 जून की शाम 6:12 बजे से शुरू होकर 25 जून की रात 8:09 बजे तक रहेगी। उदयातिथि के आधार पर

यह व्रत 25 जून, गुरुवार को रखा जाएगा। इस दिन प्रातःकाल 5:25 बजे से 7:10 बजे तक पूजा का शुभ मुहूर्त रहेगा। इसके अलावा ब्रह्म मुहूर्त सुबह 4:05 से 4:45 बजे तक और अभिजीत मुहूर्त दोपहर 11:56 से 12:52 बजे तक रहेगा। खास बात यह है कि इस दिन रवि योग भी बन रहा है, जो सुबह 5:25 बजे से शाम 4:29 बजे तक प्रभावी रहेगा। निर्जला एकादशी व्रत को सबसे कठिन इसलिए माना जाता है क्योंकि इसमें पूरे दिन बिना अन्न और जल के उपवास रखा जाता है। भीषण गर्मी के मौसम में यह व्रत करना तपस्या के समान होता है। व्रत सूर्योदय से शुरू होकर अगले दिन तक चलता है। धार्मिक मान्यता है कि इस व्रत को करने से सभी पापों का नाश होता है और भगवान विष्णु की विशेष कृपा प्राप्त होती है। साथ ही मोक्ष की प्राप्ति का मार्ग भी प्रशस्त होता है। व्रत रखने वाले श्रद्धालु 26 जून को सुबह 5:25 बजे से 8:13 बजे के बीच पारण कर सकते हैं। इस प्रकार निर्जला एकादशी न केवल आस्था का प्रतीक है, बल्कि आत्मसंयम और भक्ति की भी एक बड़ी परीक्षा मानी जाती है।

व्रत-त्योहार का कैलेंडर 2026

- 22 मार्च, दिन रविवार: वासुदेव चतुर्थी
- 26 मार्च, दिन गुरुवार: राम नवमी
- 29 मार्च, दिन रविवार: कामदा एकादशी
- 30 मार्च, दिन सोमवार: सोम प्रदोष व्रत
- 1 अप्रैल, दिन बुधवार: चैत्र पूर्णिमा
- 5 अप्रैल, दिन रविवार: विकट संकष्टी
- 13 अप्रैल, दिन सोमवार: वरूथिनी एकादशी
- 14 अप्रैल, दिन मंगलवार: बैसाखी
- 15 अप्रैल, दिन बुधवार: बुध प्रदोष व्रत, वैशाख मासिक शिवरात्रि
- 17 अप्रैल, दिन शुक्रवार: दर्श अमावस्या, वैशाख अमावस्या
- 19 अप्रैल, दिन रविवार: अक्षय तृतीया
- 20 अप्रैल, दिन सोमवार: संकर्षण चतुर्थी
- 27 अप्रैल, दिन सोमवार: मोहिनी एकादशी
- 28 अप्रैल, दिन मंगलवार: भौम प्रदोष व्रत

कल का राशिफल

मेष: दिन सामान्य रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें और क्रोध से बचें। खर्च बढ़ सकते हैं। नौकरी में सराहना मिलेगी, लेकिन व्यापार में सावधानी जरूरी है। प्रेम संबंध ठीक रहेंगे, वैवाहिक जीवन में धैर्य रखें।

वृषभ: आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। आय के नए स्त्रोत बन सकते हैं। सेहत सामान्य रहेगी। नौकरी और व्यापार में लाभ होगा।

मिथुन: सप्ताह उतार-चढ़ाव भरा रहेगा। पेट से जुड़ी समस्या हो सकती है। खर्चों पर नियंत्रण रखें। नौकरी में स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क: दिन अनुकूल रहेगा। आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। परिवार का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में चुनौतियां आएंगी, लेकिन संभाल लेंगे।

सिंह: मध्यम परिणाम मिलेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। नौकरी में प्रगति होगी। प्रेम संबंधों में मधुरता रहेगी और वैवाहिक जीवन सुखद रहेगा।

कन्या: थोड़ी चुनौतियां रहेंगी। सेहत का ध्यान रखें। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। नौकरी और व्यापार में लाभ होगा। प्रेम संबंधों में उतार-चढ़ाव रहेगा, वैवाहिक जीवन सहयोगी रहेगा।

तुला: दिन सामान्य रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आय अच्छी, बाद में कमी संभव है। प्रेम जीवन अच्छा रहेगा।

वृश्चिक: आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। सेहत का ध्यान रखें। नौकरी में उन्नति के अवसर मिलेंगे। प्रेम और वैवाहिक जीवन अच्छा रहेगा। निवेश सोच-समझकर करें।

धनु: दिन चुनौतीपूर्ण रहेगा। सेहत और खर्चों पर ध्यान दें। नौकरी में बदलाव संभव है। प्रेम संबंधों में तनाव हो सकता है। पढ़ाई में मेहनत जरूरी है।

मकर: दिन मध्यम रहेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। आर्थिक मामलों में सावधानी रखें। व्यापार में लाभ होगा।

कुंभ: संतुलित सप्ताह रहेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। आय-खर्च दोनों बढ़ेंगे। नौकरी में सावधानी रखें। प्रेम और वैवाहिक जीवन में सामंजस्य रहेगा।

मीन: दिन अच्छा रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। नौकरी और व्यापार में सफलता मिलेगी। प्रेम और वैवाहिक जीवन खुशहाल रहेगा।

आस्था के साथ आरोग्य: इन नौ पौधों में बसती हैं नवदुर्गा की शक्ति

यूनिक समय, मथुरा। नवरात्रि के पावन अवसर पर जहां देशभर में मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा की जा रही है, वहीं आयुर्वेद में एक रोचक मान्यता भी प्रचलित है। इसके अनुसार, नौ विशेष औषधीय पौधों में नवदुर्गा का वास माना जाता है। ये पौधे न केवल आध्यात्मिक आस्था से जुड़े हैं, बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी अत्यंत लाभकारी माने गए हैं।

आयुर्वेद के अनुसार, नवरात्रि के पहले दिन पूजी जाने वाली मां शैलपुत्री का संबंध हरड़ से जोड़ा जाता है, जो पाचन तंत्र को मजबूत कर शरीर को शुद्ध करती है। दूसरे दिन मां ब्रह्मचारिणी की पूजा होती है, जिनका संबंध ब्राह्मी से माना जाता है। यह औषधि मानसिक शांति और स्मरण शक्ति बढ़ाने में सहायक होती है।

तीसरे दिन मां चंद्रघंटा से जुड़ा चंद्रसूर पौधा पेट संबंधी समस्याओं में लाभकारी होता है। चौथे दिन मां कुष्मांडा का संबंध कुम्हड़ा (पेठा) से है, जो शरीर को ऊर्जा देने के साथ ठंडक प्रदान करता है। पांचवें दिन स्कंदमाता से जुड़ी अलसी हृदय स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद मानी जाती है और शरीर में संतुलन बनाए रखती है।

छठे दिन मां कात्यायनी की पूजा के साथ मोइया पौधे का महत्व बताया गया है, जो कफ और पित्त विकारों को कम करने में सहायक होता है। सातवें दिन मां कालरात्रि का संबंध नागदौन से है, जो संक्रमण से बचाव में कारगर माना जाता है।

आठवें दिन महागौरी की पूजा में तुलसी का विशेष महत्व है। तुलसी को आयुर्वेद में अमृत समान माना गया है, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मदद करती है। वहीं नौवें दिन मां सिद्धिदात्री से जुड़ी शतावरी शरीर को शक्ति और ऊर्जा प्रदान करती है।

यह परंपरा यह संदेश देती है कि प्रकृति, आस्था और स्वास्थ्य एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं। इन औषधीय पौधों का उपयोग न केवल बीमारियों से बचाव करता है, बल्कि जीवन में संतुलन और सकारात्मक ऊर्जा भी लाता है।

सम्पादकीय

वर्दी, बंदूक और अपहरण का खुला नाटक

मथुरा के चौक बाजार में घटी घटना ने कानून–व्यवस्था की तस्वीर को अजीब सा आईना दिखा दिया है। दिनदहाड़े गाड़ियों से उतरे हथियारबंद लोग–कुछ वर्दी में, कुछ सादे कपड़ों में– और देखते ही देखते चांदी व्यवसायी पिता–पुत्र को उठा ले गए। यह सब इतनी तेजी और "फिल्मी स्टाइल" में हुआ कि लोगों को समझ ही नहीं आया कि वे किसी अपराध के गवाह हैं या किसी आधिकारिक कार्रवाई के।

भीड़ मौजूद थी, कोशिश भी हुई गाड़ियों को रोकने की, लेकिन हथियारों के सामने हिम्मत जवाब दे गई। कुछ लोगों ने वीडियो बनाना चाहा, पर उनके मोबाइल भी छीन लिए गए। यानी घटना को अंजाम देने वालों ने यह भी सुनिश्चित कर लिया कि "सबूत" रास्ते में ही खत्म हो जाए। अब यह सवाल और गहरा हो जाता है कि अगर यह अपराध था, तो इतनी तैयारी कैसे? और अगर यह पुलिस कार्रवाई थी, तो इतनी गोपनीयता क्यों?

पवन गौतम
संपादक

घटना के बाद बाजार में गुस्सा फूटा–दुकानें बंद हुईं, जाम लगा, नारेबाजी हुई। यह प्रतिक्रिया स्वाभाविक है, क्योंकि दिनदहाड़े किसी को उठा ले जाना किसी भी शहर के लिए डर पैदा करने वाला है। लेकिन यह भी एक विडंबना है कि घटना के समय लोग असमंजस में रहते हैं और बाद में आक्रोश सड़कों पर उतरता है।

सबसे बड़ा ट्विस्ट तब आया जब यह बात सामने आई कि संभवतः किसी दूसरे राज्य की पुलिस इस कार्रवाई में शामिल थी। अगर यह सच है तो सवाल और गंभीर हो जाता है–क्या कानून लागू करने का तरीका ऐसा होना चाहिए कि आम नागरिक उसे अपहरण समझ बैठे? क्या स्थानीय पुलिस को जानकारी देना या पहचान स्पष्ट करना जरूरी नहीं था?

इस कॉलम को मोबाइल पर सुनने के लिए QR कोड को स्कैन करें।

यह पूरा घटनाक्रम सिर्फ एक घटना नहीं, बल्कि व्यवस्था की उस कमजोरी को उजागर करता है जहां पारदर्शिता की कमी है। जब वर्दी में आए लोग ही डर पैदा करने लगें, तो आम आदमी के लिए भरोसा करना मुश्किल हो जाता है। कानून का उद्देश्य सुरक्षा देना है, न कि भ्रम और भय पैदा करना।

अंततः, यह मामला चाहे अपहरण निकले या पुलिस कार्रवाई, दोनों ही स्थितियों में सिस्टम पर सवाल खड़े होते हैं। जरूरत इस बात की है कि कानून की कार्रवाई स्पष्ट, जिम्मेदार और भरोसेमंद तरीके से हो, ताकि अगली बार कोई घटना हो तो लोग यह न सोचें–"यह अपराध है या अधिकार?"

नजरिया

आरटीई पर खींचतान, बच्चों के भविष्य से खिलवाड़

राम गोपाल वर्मा

शिक्षा केवल किताबों और कक्षाओं तक सीमित नहीं होती, बल्कि यह किसी भी समाज की दिशा और दशा तय करने का सबसे मजबूत आधार होती है। जब इसी शिक्षा को लेकर खींचतान शुरू हो जाए और उसके केंद्र में बच्चों का भविष्य दांव पर लग जाए, तो यह चिंता का विषय ही नहीं, बल्कि एक गंभीर चेतावनी भी बन जाता है। आज देश में शिक्षा का अधिकार (आरटीई) कानून को लेकर जो स्थिति बनी हुई है, वह इसी चेतावनी की ओर इशारा करती है।

आरटीई का मूल उद्देश्य था कि समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के बच्चों को भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अवसर मिले। निजी स्कूलों में 25 प्रतिशत सीटें इन बच्चों के लिए आरक्षित कर एक समावेशी शिक्षा प्रणाली बनाने की कोशिश की गई। लेकिन यह उद्देश्य आज कागजों में सिमटता जा रहा है। सरकारों और निजी स्कूलों के बीच चल रही खींचतान ने लाखों बच्चों के सपनों पर ताला लगा दिया है। स्थिति इतनी गंभीर है कि कई राज्यों में लॉटरी में चयनित होने के बावजूद बच्चों को दाखिला नहीं मिल पा रहा। अभिभावक स्कूलों के चक्कर काटते हैं, धरना–प्रदर्शन करते हैं, लेकिन न तो स्कूल झुकते हैं और न ही सरकारें अपनी जिम्मेदारी निभाती दिखती हैं। यह विडंबना ही है कि जिस कानून को बच्चों का अधिकार सुनिश्चित करने के लिए बनाया गया था, वही अब उनके लिए संघर्ष का कारण बन गया है।

महाराष्ट्र, तमिलनाडु, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और पंजाब जैसे बड़े राज्यों में समस्या और भी विकराल रूप ले चुकी है। महाराष्ट्र में हजारों स्कूलों और लाखों सीटों के बावजूद बकाया भुगतान के नाम पर स्कूल दाखिला देने से बच रहे हैं। पुणे जैसे शहरों में तो कई स्कूलों ने आरटीई सीटों को ही छोड़ दिया है। यह न केवल कानून की अवहेलना है, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी से भी मुंह मोड़ने जैसा है। तमिलनाडु में तकनीकी बाधाओं का बहाना बनाकर पोर्टल बंद रखना और दिल्ली में प्रक्रिया को लंबित रखना यह दर्शाता है कि समस्या केवल आर्थिक नहीं, बल्कि प्रशासनिक इच्छाशक्ति की भी है। यदि सरकारें चाहें तो इन समस्याओं का समाधान तुरंत निकाला जा सकता है, लेकिन ऐसा होता नहीं दिख रहा। निजी स्कूलों का तर्क है कि सरकारें समय पर बकाया राशि का भुगतान नहीं करतीं, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। यह तर्क आंशिक रूप से सही हो सकता है, लेकिन इसका

खामियाजा बच्चों को भुगतना पड़े, यह किसी भी दृष्टिकोण से उचित नहीं है। शिक्षा को व्यापार की तरह देखना और उसे घाटे–नफे के तराजू पर तौलना, समाज के लिए खतरनाक संकेत है। दूसरी ओर, सरकारों की भूमिका भी सवालों के घेरे में है। कई राज्यों में आरटीई के तहत भुगतान में भारी देरी हो रही है। कुछ मामलों में तो हजारों करोड़ रुपये बकाया हैं। यह स्थिति बताती है कि शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र में भी वित्तीय अनुशासन और प्राथमिकता का अभाव है। सरकारें अक्सर बजट की कमी का रोना रोती हैं, लेकिन सवाल यह है कि क्या बच्चों की शिक्षा से बड़ा कोई और निवेश हो सकता है? आरटीई के क्रियान्वयन में केवल आर्थिक या प्रशासनिक समस्याएं ही नहीं हैं, बल्कि सामाजिक भेदभाव भी एक बड़ी बाधा बनकर सामने आ रहा है। कई स्कूलों में आरटीई के तहत आने वाले बच्चों के साथ अलग व्यवहार किया जाता है। उन्हें अलग कक्षाओं में बैठाना, अतिरिक्त शुल्क मांगना या उन्हें हीन भावना से देखना, यह सब उस समावेशी शिक्षा की भावना के खिलाफ है, जिसकी कल्पना इस कानून में की गई थी। इस पूरे परिदृश्य में सबसे ज्यादा नुकसान उन बच्चों का हो रहा है, जिनके पास पहले से ही सीमित अवसर हैं। उनके लिए शिक्षा ही एकमात्र रास्ता है, जिससे वे अपने जीवन को बेहतर बना सकते हैं। लेकिन जब वही रास्ता अवरुद्ध हो जाए, तो उनके सपने अधूरे रह जाना स्वाभाविक है। यदि हम अंतरराष्ट्रीय उदाहरणों की ओर देखें, तो कई देशों ने इस समस्या का प्रभावी समाधान निकाला है। स्वीडन में वाउचर सिस्टम के तहत फंड सीधे बच्चे के साथ स्कूल तक पहुंचता है, जिससे भुगतान में देरी की समस्या खत्म हो जाती है। नीदरलैंड में गरीब बच्चों के लिए अतिरिक्त फंडिंग की व्यवस्था है, जिससे स्कूलों को उन्हें पढ़ाने में आर्थिक परेशानी नहीं होती। चिली में भी सख्त नियम और समयबद्ध भुगतान प्रणाली ने इस व्यवस्था को सफल बनाया है।

भारत में भी ऐसे मॉडल अपनाए जा सकते हैं, लेकिन इसके लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति और प्रशासनिक सुधार की जरूरत है। सबसे पहले, सरकारों को यह सुनिश्चित करना होगा कि आरटीई के तहत भुगतान समय पर और पारदर्शी तरीके से हो। इसके लिए एक डिजिटल ट्रैकिंग सिस्टम बनाया जा सकता है, जिससे हर भुगतान की स्थिति स्पष्ट रहे। दूसरा, निजी स्कूलों के लिए सख्त नियम बनाए जाने चाहिए। यदि कोई स्कूल आरटीई के तहत दाखिला देने से इनकार करता है, तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। केवल चेतावनी या जुर्माना पर्याप्त नहीं है, बल्कि लाइसेंस रद्द करने जैसे कठोर कदम भी उठाए जाने चाहिए। तीसरा, सामाजिक जागरूकता बढ़ाने की जरूरत है। समाज को यह समझना होगा कि आरटीई केवल गरीब बच्चों का अधिकार नहीं, बल्कि एक समावेशी और समान समाज की नींव है। जब तक समाज इस मुद्दे को गंभीरता से नहीं लेगा, तब तक बदलाव अधूरा रहेगा।

मीडिया और सिविल सोसायटी की भूमिका भी यहां महत्वपूर्ण हो जाती है। इस मुद्दे को लगातार उठाना, प्रभावित परिवारों की आवाज बनना और सरकारों को जवाबदेह बनाना, यह सब आवश्यक है। केवल एक–दो खबरों से बदलाव नहीं आएगा, बल्कि निरंतर दबाव बनाना होगा।

आज जरूरत इस बात की है कि आरटीई को केवल एक कानून के रूप में नहीं, बल्कि एक सामाजिक संकल्प के रूप में देखा जाए। सरकारें, स्कूल और समाज–तीनों को मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे।

यदि हम आज इस समस्या को नजरअंदाज करते हैं, तो इसका असर आने वाली पीढ़ियों पर पड़ेगा। शिक्षा से वंचित बच्चे न केवल अपने सपनों से दूर हो जाएंगे, बल्कि देश के विकास में भी बाधा बनेंगे। एक शिक्षित समाज ही मजबूत राष्ट्र का निर्माण कर सकता है, और इसके लिए हर बच्चे को समान अवसर देना अनिवार्य है। अंततः यह समझना होगा कि आरटीई कोई बोझ नहीं, बल्कि एक निवेश है–देश के भविष्य में निवेश। इसे सफल बनाना केवल सरकार या स्कूलों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हम सभी का दायित्व है। अब समय आ गया है कि इस खींचतान को खत्म कर बच्चों के अधिकार को प्राथमिकता दी जाए, क्योंकि उनके सपनों से बड़ा कोई एजेंडा नहीं हो सकता।

विचार विण्डो

ऊर्जा युद्ध की आहट, खाड़ी में बढ़ती खामोशी

बोध प्रकाश सगुणी

पश्चिम एशिया एक बार फिर दुनिया की चिंता का केंद्र बन गया है। हालात इतने तेजी से बदल रहे हैं कि हर दिन एक नई आशंका जन्म ले रही है। ईरान के लगातार हमले और खाड़ी देशों की चुप्पी इस पूरे घटनाक्रम को और अधिक जटिल बना रही है। यह सिर्फ सैन्य टकराव नहीं, बल्कि एक ऐसे संकट की शुरुआत है, जो वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय संबंधों को गहराई से प्रभावित कर सकता है।

वास्तव में, इस संघर्ष का स्वरूप अब पारंपरिक युद्ध से कहीं आगे निकल चुका है। पहले जहां सीमाओं पर गोलाबारी होती थी, अब ऊर्जा के ठिकाने सीधे निशाने पर हैं। इजराइल द्वारा ईरान के साउथ पार्स गैस क्षेत्र पर किया गया हमला इसी बदलाव का संकेत था। यह कोई साधारण सैन्य कार्रवाई नहीं थी, बल्कि दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति की धड़कन पर सीधा प्रहार था। जवाब में ईरान ने भी संयम नहीं दिखाया और कतर के रास लफ्फान गैस केंद्र को निशाना बनाकर स्पष्ट कर दिया कि अब यह जंग हर उस संसाधन तक पहुंचेगी, जिस पर वैश्विक व्यवस्था टिकी है।

इस टकराव का असर तुरंत वैश्विक बाजारों में दिखाई दिया। तेल की कीमतों में अचानक उछाल आया और ऊर्जा संकट की आशंका गहराने लगी। यह केवल आर्थिक उतार–चढ़ाव नहीं था, बल्कि उस भय का प्रतीक था कि फारस की खाड़ी अब अस्थिरता का केंद्र बन चुकी है। अगर यहां से ऊर्जा आपूर्ति बाधित होती है, तो इसका असर दुनिया के हर देश पर पड़ेगा–चाहे वह विकसित हो या विकासशील। खाड़ी देशों की स्थिति इस पूरे परिदृश्य में सबसे अधिक पेचीदा है। सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत और बहरीन जैसे देश एक असमंजस में फंसे हुए हैं। एक ओर उन्हें ईरान के हमलों का खतरा है, तो दूसरी ओर वे सीधे युद्ध में उतरने से बचना चाहते हैं। इसके पीछे सबसे बड़ा कारण यह है कि उन्हें अमेरिका की भूमिका पर पूर्ण विश्वास नहीं है। यदि वे युद्ध में कूदते हैं और अमेरिका पीछे हट जाता है, तो वे अकेले पड़ सकते हैं।

अमेरिका की भूमिका भी इस समय सवालों के घेरे में है। एक ओर वह खुद को इस संघर्ष से अलग दिखाने की कोशिश कर रहा है, वहीं दूसरी ओर कड़ी चेतावनियां भी दे रहा है। यह दोहरा रुख न केवल खाड़ी देशों के लिए, बल्कि वैश्विक समुदाय के लिए भी भ्रम की स्थिति पैदा कर रहा है। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में यह अनिश्चितता अक्सर संकट को और गहरा कर देती है। सबसे गंभीर पहलू यह है कि अब ऊर्जा स्वयं एक हथियार बन चुकी है। गैस संयंत्र, तेल क्षेत्र और बंदरगाह-जो कभी विकास और समृद्धि के प्रतीक थे–अब युद्ध के लक्ष्य बन गए हैं। यह परिवर्तन बेहद खतरनाक है, क्योंकि इससे संघर्ष का दायरा अनियंत्रित हो सकता है। यदि ऊर्जा ढांचे पर हमले जारी रहते हैं, तो दुनिया को एक ऐसे ऊर्जा संकट का सामना करना पड़ सकता है, जिसका असर केवल ईंधन की कीमतों तक सीमित नहीं रहेगा।

महंगाई में तेज वृद्धि, आपूर्ति श्रृंखलाओं का टूटना और उद्योगों पर दबाव–ये सभी उस संभावित संकट के संकेत हैं, जो इस टकराव के कारण उत्पन्न हो सकता है। विकासशील देशों के लिए यह स्थिति और भी चुनौतीपूर्ण होगी, क्योंकि उनकी अर्थव्यवस्थाएं पहले से ही कई दबावों का सामना कर रही हैं। ऐसे में ऊर्जा संकट उनके विकास को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकता है। इस पूरे घटनाक्रम में कूटनीति की विफलता भी साफ नजर आती है। संवाद और समझौते की जगह अब धमकियों और हमलों ने ले ली है। हर देश अपनी ताकत दिखाने में लगा है, लेकिन कोई भी यह सोचने को तैयार नहीं है कि इस संघर्ष का अंत कहां होगा। इतिहास गवाह है कि जब कूटनीति कमजोर पड़ती है, तो युद्ध की आग तेजी से फैलती है और उसे नियंत्रित करना कठिन हो जाता है।

फिर भी, समाधान की संभावनाएं पूरी तरह खत्म नहीं हुई हैं। यदि अंतरराष्ट्रीय समुदाय समय रहते हस्तक्षेप करे और सभी पक्षों को बातचीत की मेज पर लाया जाए, तो इस संकट को टाला जा सकता है। इसके लिए सबसे महत्वपूर्ण भूमिका अमेरिका की हो सकती है, क्योंकि उसके पास दोनों पक्षों पर प्रभाव डालने की क्षमता है। लेकिन इसके लिए उसे स्पष्ट और संतुलित नीति अपनानी होगी।

इसके अलावा, वैश्विक स्तर पर ऊर्जा आपूर्ति को सुरक्षित बनाने के लिए भी ठोस कदम उठाने की जरूरत है। वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देना, आपूर्ति के विविध स्रोत विकसित करना और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करना–ये सभी उपाय इस संकट के प्रभाव को कम कर सकते हैं।

अंततः, यह समझना जरूरी है कि यह संघर्ष केवल क्षेत्रीय नहीं है, बल्कि इसका प्रभाव वैश्विक है। खाड़ी में उठती हर चिंगारी दुनिया के किसी न किसी कोने को प्रभावित करती है। इसलिए यह केवल संबंधित देशों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे अंतरराष्ट्रीय समुदाय का दायित्व है कि वह इस संकट को नियंत्रित करने के लिए सक्रिय भूमिका निभाए।

आज दुनिया एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां एक गलत कदम बड़े संकट को जन्म दे सकता है। अगर अब भी संयम और समझदारी नहीं दिखाई गई, तो यह टकराव एक व्यापक ऊर्जा युद्ध में बदल सकता है। और तब इसका खामियाजा केवल खाड़ी देश ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया को भुगतना पड़ेगा।

आईपीएल 2026 : केकेआर में शामिल हुए सबसे महंगे खिलाड़ी कैमरून ग्रीन

यूनिक समय, नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 19वें सीजन से सिर्फ 7 दिन पहले, कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने अपने लिए बड़ी खबर साझा की। टीम ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट कर ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन के जुड़ने की जानकारी दी। ग्रीन आईपीएल के प्लेयर ऑक्शन में सबसे महंगे बिकने वाले खिलाड़ी थे, जिनके लिए केकेआर ने 25.20 करोड़ रुपये खर्च किए। उन्हें टीम ने आंद्रे रसेल के रिप्लेसमेंट के रूप में शामिल किया है, जो लंबे समय तक फ्रेंचाइजी के लिए मैच विनर साबित हुए थे।

केकेआर के लिए ग्रीन का जुड़ना टीम की तैयारी को मजबूती

केकेआर ने इनके लिए 25.20 करोड़ रुपये खर्च किए

देगा, खासकर तब जब हर्षित राणा का इस सीजन खेलना मुश्किल है और मथीशा पथिराना भी देर से टीम का हिस्सा बनेंगे। उनके ऑलराउंड खेल की वजह से टीम को शुरुआती मैचों में संतुलन बनाने में मदद मिलने की उम्मीद है। हालांकि, ग्रीन का हालिया टी20 फॉर्म चिंता का विषय रहा है। टी20 वर्ल्ड कप में तीन मैचों में उन्होंने केवल 24 रन बनाए और गेंदबाजी में खास प्रभाव नहीं दिखा पाए। इससे सवाल उठता है कि आईपीएल 2026 में वह अपने नाम के मुताबिक प्रदर्शन कर पाएंगे या नहीं। लेकिन ग्रीन ने ऑस्ट्रेलिया में खेली गई घरेलू शेफील्ड शील्ड में शतकीय पारी खेलकर आत्मविश्वास हासिल किया है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि केकेआर उन्हें किस पोजीशन पर खेलाती है और वह टीम को शुरुआती मैचों में किस तरह का योगदान देंगे। कैमरून ग्रीन का जुड़ना केकेआर के लिए एक बड़ी राहत के रूप में देखा जा रहा है, जो टीम को अनुभवी ऑलराउंड विकल्प प्रदान करता है और शुरुआती मैचों की रणनीति में नए आयाम जोड़ सकता है। आईपीएल फैंस की नजरें ग्रीन के प्रदर्शन पर पूरी तरह टिकी होंगी, क्योंकि उनका महंगा रिकॉर्ड अब टीम की उम्मीदों के साथ जुड़ चुका है।

अक्षरा सिंह ने शेयर की 'धुरंधर' एपिसोड में खास रेसिपी

यूनिक समय, नई दिल्ली। भोजपुरी अभिनेत्री अक्षरा सिंह ने अपने यूट्यूब चैनल चटर पटर के हालिया एपिसोड में फैंस के साथ खास रेसिपी साझा की। इस एपिसोड को उन्होंने धुरंधर नाम दिया और इसमें उन्होंने अपनी मां की मदद से 'धुरंधर मिक्स वेज' बनाई। अक्षरा के अनुसार, यह रेसिपी उन्हें धुरंधर 2 फिल्म देखने के बाद बनाने का ख्याल आया।

वीडियो में अक्षरा ने मजेदार अंदाज में दर्शकों से बातचीत भी की और इंस्टाग्राम पर कैप्शन में लिखा कि एपिसोड में नवरात्रि की शक्ति और ईद की मिठास दोनों की झलक है।

उन्होंने फैंस से पूछा, "इस बार आपका दिल किसने जीता?" वीडियो में अक्षरा, उनकी मां और अभिजीत फुल ऑन धमाल करते दिख रहे हैं। अक्षरा सिंह ने इस व्लॉग के जरिए सिर्फ अपनी कुकिंग स्किल्स ही नहीं दिखाई, बल्कि अपने फैंस के साथ जुड़ने और मनोरंजन का भी नया तरीका पेश किया। चटर पटर व्लॉग में मनोरंजन और रेसिपी का संगम है, जिससे दर्शकों को मजेदार और उपयोगी कंटेंट दोनों मिल रहा है। फैंस को अक्षरा का यह नया अंदाज खूब पसंद आ रहा है।

छत्रपति शिवाजी महाराज पर फिल्म बनाएंगे ऋषभ शेट्टी और अर्जुन रामपाल

यूनिक समय, नई दिल्ली। कांतारा स्टार ऋषभ शेट्टी जल्द ही धुरंधर के मेजर इकबाल यानी अर्जुन रामपाल के साथ स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे। दोनों ने फिल्म साइन कर ली है और शूटिंग 2026 के दूसरे हाफ में शुरू होगी। फिल्म का नाम है द प्राइड ऑफ इंडियाः छत्रपति शिवाजी महाराज, जो पैन इंडिया प्रोजेक्ट है। इसमें ऋषभ शेट्टी मराठा राजा की भूमिका निभा रहे हैं, जबकि अर्जुन रामपाल मुख्य खलनायक के किरदार में होंगे।

रामपाल ने हाल ही में धुरंधर 2 में अपने दमदार अभिनय से तारीफें बटोरी थीं। इस फिल्म में जानी–मानी अभिनेत्री शेफाली शाह भी शामिल हैं, जो छत्रपति शिवाजी महाराज की माता, राजमाता जीजाबाई की भूमिका निभाएंगी। फिल्म का निर्देशन संदीप सिंह कर रहे हैं, जबकि संगीत प्रीतम और सिनेमेटोग्राफी रवि वर्मन संभालेंगे। ऋषभ शेट्टी के लिए यह फिल्म कांतारा के बाद फैन्स की उम्मीदों को फिर से बढ़ाने का मौका है।

कांतारा में उनके काम की खूब तारीफ हुई थी और बॉक्स ऑफिस पर भी फिल्म ने शानदार प्रदर्शन किया। अब फैन्स को उत्सुकता है कि क्या शेट्टी अपनी अपकमिंग फिल्म में वही जादू दोहरा पाएंगे। अर्जुन रामपाल इस प्रोजेक्ट के अलावा नेटफ्लिक्स फिल्म ओ साथी रे और कई अन्य फिल्मों जैसे 3 मंकीज, पेंटहाउस, पंजाब '95, ब्लाइंड गेम, और बैटल ऑफ भीमा कोरेगांव में नजर आएंगे। इस महत्वाकांक्षी ऐतिहासिक फिल्म को लेकर दर्शकों में पहले से ही उत्साह और चर्चा तेज हो गई है।

टी 20 इंटरनेशनल में 15 साल की फैनी ने डेब्यू में शतक लगाकर रचा इतिहास

यूनिक समय, नई दिल्ली। रवांडा महिला क्रिकेट टीम की 15 साल 223 दिन की खिलाड़ी फैनी उटागुशिमानिंदे ने टी20 इंटरनेशनल डेब्यू मैच में शतकीय पारी खेलकर दो बड़े वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम कर लिए। नाइजीरिया इनविटेशनल महिला टी20 टूर्नामेंट में घाना के खिलाफ खेलते हुए फैनी ने 65 गेंदों में 17 चौकों की मदद से 111 रन बनाए। इस शानदार पारी की बदौलत रवांडा टीम ने 20 ओवर में 210 रन का बड़ा स्कोर हासिल किया। फैनी उटागुशिमानिंदे ने महिला और पुरुष दोनों टी20 इंटरनेशनल में सबसे कम उम्र में शतक लगाने का रिकॉर्ड बनाया। इससे पहले यह रिकॉर्ड 2022 में फ्रांस के गुस्ताव मैककॉन के नाम था, जिन्होंने 18 साल और 280 दिन की उम्र में शतकीय पारी खेली थी। अब फैनी ने इसे 15 साल और 223 दिन की उम्र में तोड़ दिया।

सिर्फ इतना ही नहीं, फैनी ने डेब्यू मैच में सबसे ज्यादा रनों की पारी का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। इस रिकॉर्ड पर पहले ऑस्ट्रेलिया की पूर्व खिलाड़ी कैरेन रोल्टन का नाम था, जिन्होंने 2005 में इंग्लैंड महिला टीम के खिलाफ 96 रनों की नाबाद पारी खेली थी। फैनी ने इसे पार करते हुए अपने डेब्यू में 111 रन बनाकर इतिहास रच दिया।

फैनी उटागुशिमानिंदे पहली महिला खिलाड़ी बन गई हैं, जिन्होंने अपने डेब्यू मुकाबले में शतकीय पारी खेली और इतनी बड़ी रनों की पारी बनाई। उनके इस प्रदर्शन से न सिर्फ रवांडा टीम बल्कि पूरी महिला क्रिकेट दुनिया में हड़कंप मच गया है। फैनी की यह उपलब्धि युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बनकर उभरी है और यह दिखाती है कि प्रतिभा और मेहनत से कोई भी खिलाड़ी इतिहास रच सकता है। उनकी पारी से साबित होता है कि महिला क्रिकेट लगातार उंचाइयों की ओर बढ़ रहा है और फैनी जैसी युवा खिलाड़ियों की धमाकेदार शुरुआत इसे और रोमांचक बनाती है।

सुनील ग्रोवर ने दिखाया अनोखा अंदाज, टपरी पर प्रेस करते नजर आए

यूनिक समय, नई दिल्ली। कॉमेडियन सुनील ग्रोवर, जिन्हें 'द ग्रेट इंडियन कपिल शर्मा शो' की जान कहा जाता है, अपने फनी अंदाज और बेहतरीन मिमिक्री के लिए जाने जाते हैं। हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक नया वीडियो शेयर किया है, जिसमें वे सड़क किनारे टपरी पर कपड़े प्रेस करते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो को देखकर फैंस हैरान और खूब खुश हुए हैं।

सुनील ग्रोवर पहले भी अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर फनी वीडियो शेयर करते रहते हैं। कभी वे गांव में सैर करते दिखते हैं, तो कभी हैंडपंप पर कपड़े धोते हैं। उनके इस नए वीडियो ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है और लोग उनकी कॉमिक टाइमिंग की जमकर तारीफ कर रहे हैं। इसके पहले, सुनील ने 'द ग्रेट इंडियन कपिल शर्मा शो' में एक्टर्स की मिमिक्री कर सबका दिल जीता।

उन्होंने आमिर खान, सलमान खान, कादर खान और गुलजार जैसी हस्तियों की हूबहू एक्टिंग की और फैंस को काफी मनोरंजन दिया। अब टपरी पर कपड़े प्रेस करते उनका यह वीडियो उनके अनोखे अंदाज और क्रिएटिविटी को दिखाता है। फैंस इस वीडियो को बेहद पसंद कर रहे हैं और इसे सोशल मीडिया पर शेयर भी कर रहे हैं, जिससे सुनील की लोकप्रियता और बढ़ गई है।

वेब सीरीज 'चिरैया' दर्शकों को पसंद, जरूरी है देखना

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिव्या दत्ता की वेब सीरीज चिरैया ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हो चुकी है और इसकी कहानी दर्शकों के बीच काफी पसंद की जा रही है। सीरीज शादी के दायरे में होने वाले दुष्कर्म जैसे संवेदनशील मुद्दे को उठाती है और समाज में महिलाओं के खिलाफ मौजूद पितृसत्तात्मक मानसिकताओं पर सवाल खड़ा करती है। कहानी में एक पत्नी द्वारा पति पर लगाए गए दुष्कर्म के आरोपों के बाद उसका अकेलापन और उसकी जेठानी का साथ दिखाया गया है, जो उसे उसकी सबसे बड़ी ताकत बनकर मदद करती है। इंटरनेट पर यूजर्स ने अपनी प्रतिक्रियाएं दी हैं। एक यूजर ने कहा कि यह फिल्म अंदर तक चौंका देती है। दूसरे ने लिखा कि दिव्या निधी शर्मा की कहानी और शशांत शाह के निर्देशन ने महत्वपूर्ण विषय को बेहतरीन तरीके से प्रस्तुत किया है। एक अन्य यूजर ने बताया कि यह कहानी गहरी जड़ों वाली मान्यताओं को चुनौती देती है और दर्शकों को सोचने पर मजबूर करती है।

चिरैया केवल महिलाओं के खिलाफ नहीं, बल्कि समाज में मौजूद बुरी मानसिकताओं के खिलाफ संदेश देती है। यह सीरीज एलजीबीटी मुद्दों, दहेज प्रताड़ना और महिलाओं से जुड़े भेदभाव जैसी समस्याओं को भी उजागर करती है। इसे देखना इसलिए जरूरी है ताकि समाज में महिलाओं की सहमति और अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़े और पितृसत्तात्मक सोच को चुनौती दी जा सके। दर्शक इसे देखकर खुद निष्कर्ष निकाल सकते हैं और इस संवेदनशील मुद्दे पर विचार कर सकते हैं।

जेएसडब्ल्यू इंडियन ओपन : अनाहत सिंह और तन्वी खन्ना पहुंचीं सेमीफाइनल में

यूनिक समय, नई दिल्ली। जेएसडब्ल्यू इंडियन ओपन स्क्वाश टूर्नामेंट में भारतीय बेटियों ने कमाल दिखाया है। शीर्ष वरीयता प्राप्त अनाहत सिंह और गैर-वरीयता प्राप्त तन्वी खन्ना ने अपने-अपने क्वार्टरफाइनल मुकाबले जीतकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। अनाहत सिंह ने मलेशिया की सहवीत्रा कुमार को सीधे 3–0 (11–2, 11-6, 11-4) से हराया। वहीं, तन्वी खन्ना ने चौथी वरीयता प्राप्त आइना अमानी को 3-1 से मात दी। अनुभवी जोशना चिनप्पा मिस्र की नादिएन एल हम्मामी से 1-3 से हारकर प्रतियोगिता से बाहर हो गईं। इससे भारतीय खिलाड़ियों की सेमीफाइनल में शानदार मौजूदगी सुनिश्चित हुई। इस टूर्नामेंट में हाना मोआताज ने भी अपनी पकड़ दिखाई। उन्होंने मलेशिया की आठवीं वरीयता प्राप्त याशिमता जादिशकुमार को पांच गेम के रोमांचक मुकाबले में 3-2 (11-8, 8-11, 7-11, 11-7, 11-8) से हराया। शनिवार को सेमीफाइनल में भारतीय टॉप खिलाड़ियों का आमना-सामना होने वाला है। अनाहत सिंह और तन्वी खन्ना की भिड़ंत पूरे देश के लिए रोमांचक होगी। वहीं, दूसरी तरफ हाना मोआताज का मुकाबला नादिएन एल हम्मामी से होगा। इस मुकाबले में जीतने वाली खिलाड़ी फाइनल में प्रवेश करेगी। जेएसडब्ल्यू इंडियन ओपन स्क्वाश टूर्नामेंट में भारतीय खिलाड़ियों की यह सफलता देश में स्क्वाश के बढ़ते स्तर को दर्शाती है। युवा और अनुभवी खिलाड़ियों ने अपनी मेहनत और तैयारी से दर्शकों को उत्साहित किया। भारतीय खिलाड़ियों की सेमीफाइनल में मौजूदगी टूर्नामेंट को और रोमांचक बना रही है। दर्शक और स्क्वाश प्रेमी इस मुकाबले का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, क्योंकि भारतीय बेटियों की यह सफलता देश के लिए गर्व का मौका है। अनाहत और तन्वी के बीच मुकाबला बेहद प्रतिस्पर्धात्मक और रोमांचक होने की उम्मीद है, जबकि मोआताज और हम्मामी की भिड़ंत भी दिलचस्प मोड़ ला सकती है। इस टूर्नामेंट से भारतीय स्क्वाश की नई प्रतिभाओं को अंतरराष्ट्रीय मंच पर पहचान मिलने की संभावना बढ़ रही है।

अनन्या पांडे का रैंप पर जलवा, बताया फैशन मंत्र

यूनिक समय, नई दिल्ली। मुंबई में आयोजित फैशन वीक में बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे ने रैंप वॉक कर अपनी खूबसूरती और स्टाइल का जलवा दिखाया। उन्होंने ब्राइट ओवरसाइज्ड ब्लेजर और प्लीटेड आइवरी स्कर्ट पहनी थी, साथ ही बैंग्स हेयरस्टाइल में नजर आईं। फैशन वीक के बाद अनन्या ने मीडिया से अपना फैशन मंत्र साझा किया। उनका कहना था कि उन्हें आरामदायक और क्लासी कपड़े पसंद हैं। उन्होंने डिजाइनर राहुल मिश्रा की तारीफ भी की और कहा कि उनके डिजाइनर ड्रेसेस में हमेशा कोई कहानी जुड़ी होती है, जिसका हिस्सा बनना उन्हें अच्छा लगता है। इस मौके पर अनन्या की मां भावना पांडे भी मौजूद रहीं। करियर की बात करें तो अनन्या की हालिया फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा ब्लू' बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं रही, लेकिन वे जल्द ही फिल्म 'चांद मेरा दिल' में नजर आएंगी।

वन दिवस पर बोले मुख्यमंत्री योगी

आज हर व्यक्ति झेल रहा है प्रकृति से छेड़छाड़ का खामियाजा

यूनिक समय, लखनऊ। लखनऊ में अंतरराष्ट्रीय वन दिवस के अवसर पर आयोजित 'अरण्य समागम : राष्ट्रीय वानिकी संवाद कार्यक्रम' में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पर्यावरण संरक्षण को लेकर अहम संदेश दिया। कार्यक्रम का आयोजन इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में किया गया, जिसमें वन विभाग के अधिकारी और विशेषज्ञ शामिल हुए।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि मानव ने प्रकृति के साथ जिस तरह का खिलवाड़ किया है, उसका दुष्परिणाम आज हर व्यक्ति झेल रहा है। उन्होंने कहा कि हमारे ऋषि–मुनियों ने पहले ही चेताया था कि प्रकृति के साथ सम्मान और संरक्षण का व्यवहार होना चाहिए, लेकिन समय के साथ इसमें चूक हुई है। अब जरूरत है कि हर नागरिक आत्ममंथन करे और पर्यावरण संरक्षण के लिए जिम्मेदारी निभाए।

उन्होंने बताया कि 'एक पेड़ मां के नाम' जैसे अभियान को बढ़ावा दिया जा रहा है। राज्य में वृक्षारोपण को लेकर बड़े स्तर पर काम हुआ है। पिछले नौ वर्षों में उत्तर प्रदेश में 242 करोड़ पौधे लगाए गए हैं। इसके अलावा राज्य में नर्सरी के माध्यम से 50 करोड़ पौधों की तैयारी भी की जा चुकी है।

मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि वर्ष 2017 में प्रदेश में केवल एक रामसर साइट थी, जो अब बढ़कर 11 हो चुकी हैं। यह पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है।

कार्यक्रम में वन प्रबंधन, डिजिटलीकरण, मानव–वन्यजीव संघर्ष और कैम्पा निधि के उपयोग जैसे मुद्दों पर भी चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने सभी से अपील की कि प्रकृति के संरक्षण को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाएं।

यूपी में कोहरा, बारिश–आंधी से जनजीवन प्रभावित

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मौसम ने अचानक करवट ले ली है। लखनऊ और वाराणसी समेत कई जिलों में लगातार दूसरे दिन बारिश का दौर जारी रहा। वहीं प्रयागराज और आसपास के क्षेत्रों में भी गरज–चमक के साथ बारिश हुई, जिससे तापमान में 5 से 6 डिग्री तक गिरावट दर्ज की गई है। दूसरी ओर पश्चिमी यूपी के आगरा, मथुरा, मेरठ और अलीगढ़ में घना कोहरा छाया रहा। कई जगहों पर दृश्यता 100 मीटर तक सिमट गई, जिससे यातायात प्रभावित हुआ। ठंडी हवाओं ने लोगों को जनवरी जैसी ठंड का एहसास कराया।

वहीं सबसे बड़ा हादसा झांसी में सामने आया, जहां आकाशीय बिजली गिरने से बारूद फैक्ट्री में जोरदार विस्फोट हो गया। धमाका इतना तेज था कि इसकी आवाज करीब 10 किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि फैक्ट्री में आग लगने से भारी नुकसान हुआ। पिछले 24 घंटों में अयोध्या, बाराबंकी, सीतापुर सहित 25 से अधिक जिलों में आंधी–बारिश दर्ज की गई। ललितपुर में ओलावृष्टि से सड़कों पर सफेद चादर जैसी स्थिति बन गई। वहीं प्रयागराज, बहराइच और मिर्जापुर में बिजली गिरने से पांच लोगों की मौत हो गई, जिनमें तीन किसान शामिल हैं।

मौसम विभाग ने 23 जिलों में बारिश और तेज हवाओं का अलर्ट जारी किया है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से यह बदलाव आया है और 22 मार्च तक ऐसा ही मौसम बने रहने की संभावना है।

कृषि विशेषज्ञों ने किसानों को सतर्क रहने की सलाह दी है। तेज हवा और बारिश से गेहूं, सरसों और सब्जियों की फसल को भारी नुकसान हो सकता है। ऐसे में पकी फसलों की तुरंत कटाई और जल निकासी की उचित व्यवस्था करने की सलाह दी गई है।

ध्वनि प्रदूषण पर हाईकोर्ट सख्त

डीजीपी–परिवहन आयुक्त से मांगा जवाब

यूनिक समय, लखनऊ। लखनऊ में ध्वनि प्रदूषण को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने सख्त रुख अपनाते हुए पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) और परिवहन आयुक्त को तलब किया है। अदालत ने दोनों अधिकारियों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश होकर जवाब देने के निर्देश दिए हैं। साथ ही उनसे पूछा गया है कि ध्वनि प्रदूषण रोकने के लिए कोई ठोस कमेटी बनाई गई है या नहीं।

कोर्ट ने विशेष रूप से मोडिफाइड साइलेंसर और वाहनों में लगे अवैध हूटर पर कार्रवाई को लेकर सवाल उठाए। अदालत ने निर्देश दिया कि पिछले पांच वर्षों में इस संबंध में क्या कदम उठाए गए, इसकी विस्तृत जानकारी अगली सुनवाई से पहले हलफनामे के रूप में पेश की जाए।

यह मामला वर्ष 2021 में ध्वनि प्रदूषण को लेकर स्वतः संज्ञान से शुरू हुई जनहित याचिका से जुड़ा है। अदालत ने पहले ही आदेश दिया था कि इस समस्या से निपटने के लिए विभिन्न विभागों की संयुक्त कमेटी बनाई जाए। लेकिन हालिया सुनवाई में राज्य सरकार इस पर स्पष्ट जानकारी देने में असमर्थ रही, जिस पर कोर्ट ने नाराजगी जताई। अदालत ने टिप्पणी की कि देर रात तक सड़कों पर मोडिफाइड साइलेंसर और हूटर की तेज आवाजें सुनाई देती हैं, जिससे आम लोगों को परेशानी होती है। कोर्ट ने कहा कि इसे नियंत्रित करना गृह और परिवहन विभाग की जिम्मेदारी है। वहीं, राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने भी उत्तर प्रदेश में वन्यजीव अधिसूचना प्रक्रिया को लेकर सख्ती दिखाई है।

एनजीटी ने राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि अगली सुनवाई से पहले विस्तृत प्रगति रिपोर्ट दाखिल की जाए। यह मामला आगरा स्थित सूर सरोवर पक्षी अभयारण्य से जुड़ा है। हाईकोर्ट में इस मामले की अगली सुनवाई 2 अप्रैल को होगी, जबकि एनजीटी में सुनवाई 13 जुलाई को निर्धारित की गई है।

आईपीएल से पहले रामलला के दरबार में पहुंची टीम

यूनिक समय, अयोध्या। आईपीएल 2026 के आगाज से पहले लखनऊ सुपर जायंट्स की 20 सदस्यीय टीम शनिवार को अयोध्या पहुंची, जहां खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ ने रामलला के दर्शन–पूजन कर नए सीजन के लिए आशीर्वाद लिया। टीम के साथ फ्रेंचाइजी मालिक संजीव गोयनका भी मौजूद रहे।

इस दौरान टीम के कप्तान ऋषभ पंत ने विधिवत पूजा–अर्चना की और भगवान श्रीराम के चरणों में शीश नवाया। अन्य खिलाड़ियों ने भी श्रद्धा भाव से मंदिर में दर्शन किए। मंदिर परिसर में खिलाड़ियों की मौजूदगी से श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिला। मंदिर प्रशासन की ओर से टीम का स्वागत किया गया और अधिकारियों ने उन्हें मंदिर परिसर का भ्रमण कराया। खिलाड़ियों ने राम मंदिर की भव्यता और दिव्यता की सराहना की। इस आध्यात्मिक यात्रा को टीम के लिए प्रेरणादायक माना जा रहा है, जिससे खिलाड़ियों का मनोबल और आत्मविश्वास बढ़ेगा।

ऋषभ पंत ने लिया आशीर्वाद

दर्शन–पूजन के बाद पूरी टीम अयोध्या से लखनऊ के लिए रवाना हो गई। आईपीएल से पहले इस तरह का धार्मिक दौरा खिलाड़ियों के लिए मानसिक रूप से तैयार होने और सकारात्मक ऊर्जा पाने का माध्यम माना जाता है। गौरतलब है कि इस बार लखनऊ टीम नए संयोजन और रणनीति के साथ मैदान में उतरने की तैयारी कर रही है। ऐसे में रामलला के दरबार में पहुंचकर आशीर्वाद लेना टीम के लिए एक शुभ संकेत के रूप में देखा जा रहा है। अब फैंस को उम्मीद है कि टीम इस सीजन में दमदार प्रदर्शन कर खिताब की दौड़ में मजबूत दावेदारी पेश करेगी।

यूपी में ईद का जश्न, कड़ी सुरक्षा के बीच नमाज

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में ईद का त्योहार शनिवार को पूरे उत्साह और शांति के साथ मनाया गया। आगरा, वाराणसी, प्रयागराज और मेरठ समेत कई जिलों में सुबह से ही मस्जिदों और ईदगाहों में बड़ी संख्या में लोगों ने नमाज अदा की। प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए और संवेदनशील इलाकों में ड्रोन कैमरों से निगरानी रखी गई।

कानपुर के जाजमऊ ईदगाह में करीब 45 हजार लोगों ने नमाज अदा की। यहां एक बच्चे को कंधे पर बैठाकर नमाज पढ़ने आए पिता का दृश्य लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र रहा। पुलिस अधिकारियों ने भी लोगों को ईद की बधाई दी, जिससे सौहार्द का माहौल बना रहा। वहीं संभल के सिरसी क्षेत्र में नमाज के दौरान कुछ लोगों ने काली पट्टी बांधकर विरोध जताया। नमाज के बाद अमेरिका और इजराइल के खिलाफ नारेबाजी भी हुई, जिससे कुछ देर के लिए तनाव की स्थिति बनी। हालांकि पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए हालात को संभाल लिया और स्थिति को सामान्य कर दिया।

संभल में नारेबाजी से हलचल

वाराणसी में नमाज के बाद नमाजियों पर पुष्प वर्षा की गई, जिससे भाईचारे और सौहार्द का संदेश दिया गया। प्रयागराज और सहारनपुर में भी बड़ी संख्या में लोगों ने नमाज अदा कर देश में अमन–चैन और खुशहाली की दुआ मांगी। प्रशासन के अनुसार पूरे प्रदेश में ईद का त्योहार शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। सुरक्षा व्यवस्था मजबूत रहने के कारण किसी बड़ी घटना की सूचना नहीं है। कुल मिलाकर ईद का पर्व प्रदेश में भाईचारे, प्रेम और एकता का संदेश देते हुए मनाया गया।

नोएडा में दर्दनाक हादसा, 12वीं मंजिल से गिरकर मासूम की मौत

यूनिक समय, नोएडा। नोएडा में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां 3 साल के मासूम की 12वीं मंजिल से गिरकर मौत हो गई। यह हादसा बिसरख थाना क्षेत्र के गौर सिटी–2 स्थित एक अपार्टमेंट में हुआ।

जानकारी के अनुसार, बच्चे की मां उसे घर में सोता छोड़कर बड़े बेटे को ट्यूशन छोड़ने गई थी। इसी दौरान बच्चा नींद से जागकर खेलते–खेलते बालकनी तक पहुंच गया। वहां रखी कुर्सी पर चढ़कर वह रेलिंग से बाहर झांकने लगा और अचानक संतुलन बिगड़ने से नीचे गिर गया।

गिरने की आवाज सुनकर पड़ोसी और सुरक्षा गार्ड मौके पर पहुंचे और बच्चे को तुरंत अस्पताल ले गए, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर मां अस्पताल पहुंची और बेटे की हालत देखकर बेहोश हो गई। परिवार मूल रूप से पश्चिम बंगाल का रहने वाला है और हाल ही में ग्रेटर नोएडा वेस्ट में रहने आया था। पुलिस के अनुसार, परिजनों ने इस मामले में किसी भी तरह की कार्रवाई से इनकार कर दिया, जिसके चलते पोस्टमार्टम नहीं कराया गया। यह घटना एक बार फिर छोटे बच्चों को घर में अकेला छोड़ने के खतरों की ओर इशारा करती है।

सार संक्षेप

राष्ट्रपति और पीएम मोदी ने दीं ईद की शुभकामनाएं

यूनिक समय, नई दिल्ली। देशभर में ईद-उल फितर का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। सुबह मस्जिदों में नमाज अदा की गई और लोग एक-दूसरे को गले लगाकर बधाइयां दे रहे थे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने देशवासियों, विशेषकर मुस्लिम भाइयों और बहनों को बधाई देते हुए कहा कि यह त्योहार आत्मसंयम, सेवा और परोपकार की सीख देता है। पीएम मोदी ने भी देशवासियों को ईद की शुभकामनाएं दीं और सभी से शांति और एकता बनाए रखने का आग्रह किया। सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई थी ताकि त्योहार शांतिपूर्ण रूप से मनाया जा सके।

नासिक ज्योतिषी कांड के बाद रुपाली चाकणकर ने दिया इस्तीफा

यूनिक समय, नई दिल्ली। महाराष्ट्र राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रूपाली चाकणकर ने नासिक के फर्जी बाबा अशोक खरात रेप मामले के विवाद के बाद अपने पद से इस्तीफा दे दिया। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उन्हें इस्तीफा देने के लिए बुलाया था। चाकणकर ने व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए पद छोड़ा। उन्होंने एसआईटी से निष्पक्ष जांच की मांग की और आरोपी के खिलाफ कठोर कार्रवाई की अपील की। विपक्ष और शिवसेना नेताओं ने उनके पद छोड़ने की आलोचना की थी।

बीजेपी ने की केरल और असम के उम्मीदवारों की घोषणा

यूनिक समय, नई दिल्ली। बीजेपी ने केरल और असम विधानसभा चुनाव 2026 के लिए अपने उम्मीदवारों की नई लिस्ट जारी की। केरल की 11 और असम की 2 सीटों पर उम्मीदवारों के नाम घोषित किए गए। केरल में पुथुप्पल्ली से रवींद्रनाथ वाकथनम, तिरुवनंतपुरम से करमना जयन, नेय्याट्टिनकारा से एस. राजशेखरन नायर समेत अन्य प्रत्याशी चुने गए। असम में दलगांव से कृष्णा साहा और सिसिबरगांव से जीवन गोगोई को उम्मीदवार बनाया गया।

चलती कार में लगी आग, डॉक्टर की पत्नी की झुलस कर मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के सागर में चलती कार में आग लगने से डॉक्टर की पत्नी की जिंदा जलकर मौत हो गई। हादसा गढ़ाकोटा रोड पर तड़के हुआ, जबकि डॉक्टर सुरक्षित बच गए। परिजनों ने घटना को संदिग्ध बताया और हत्या की आशंका जताई। प्रारंभिक जांच में कार में आग लगाने का शक व्यक्त किया गया है। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है।

ट्रंप का ईरान पर कड़ा रुख: बातचीत हो सकती है, सीजफायर नहीं

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान के साथ बातचीत हो सकती है, लेकिन फिलहाल कोई सीजफायर नहीं होगा। उन्होंने सैन्य कार्रवाई जारी रखने पर जोर दिया और कहा कि अमेरिका अपने लक्ष्यों को पूरा करने के करीब है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका मध्य पूर्व में ईरान के आतंकवादी शासन के खिलाफ अपनी सैन्य कोशिशें जारी रखेगा।

भारत में 7.7 लाख टन रूसी तेल की होगी आपूर्ति

एक्वा टाइटन के पहुंचते ही घरेलू तेल और एलपीजी सप्लाई होगी सुचारू

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत के लिए ऊर्जा संकट के बीच राहत की खबर है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी के खुलासे के अनुसार, रूसी तेल टैंकर एक्वा टाइटन (पूर्व नाम लैंग या) अब न्यू मंगलोर बंदरगाह की ओर बढ़ रहा है। यह टैंकर करीब 7.7 लाख बैरल रूसी कच्चा तेल लेकर भारत आ रहा है। जहाज शनिवार 21 मार्च की देर रात तक पहुंचने की संभावना है। शिपिंग डेटा और सूत्रों के मुताबिक, पिछले 24 घंटे में इस जलमार्ग से कोई भी तेल टैंकर नहीं निकल पाया, लेकिन अब भारतीय ध्वज वाले दो गैस टैंकर आने वाले दिनों में होर्मुज मार्ग से गुजरेंगे। इससे देश में तेल और एलपीजी की लगातार बढ़ती मांग को पूरा करने में मदद मिलेगी। पूर्व में यह टैंकर चीन की ओर जा रहा था। हालांकि, दक्षिण-पूर्वी एशियाई जलक्षेत्र में इसे भारत की ओर मार्ग बदलने के लिए मोड़ दिया गया। आरके सिन्हा, विशेष सचिव, बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय ने पुष्टि की है कि एक्वा टाइटन टैंकर भारत के लिए तेल लेकर आ रहा है। एक्वा टाइटन पहले जून में ऑस्ट्रेलिया द्वारा प्रतिबंधित 60 जहाजों में शामिल था। ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने इस जहाज पर धोखाधड़ी की गतिविधियों जैसे ध्वज बदलना और ट्रैकिंग सिस्टम निष्क्रिय करना होने का आरोप लगाया था। ब्रिटेन, कनाडा, यूरोपीय संघ और यूक्रेन ने भी

अब भारतीय ध्वज वाले दो गैस टैंकर आने वाले दिनों में होर्मुज मार्ग से गुजरेंगे

इस जहाज पर प्रतिबंध लगाया हुआ है। नॉर्वे स्थित ऊर्जा खुफिया कंपनी रायस्टैड एनर्जी के वरिष्ठ विश्लेषक एरिक ग्रुंड्ट के अनुसार, इस जहाज पर अंततः रूसी सरकार का नियंत्रण है। अमेरिका ने पहले भारत पर रूसी तेल के आयात पर 25% टैरिफ लगाया था। लेकिन भारत और अमेरिका के बीच हुए अंतरिम व्यापार समझौते के बाद, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने यह दंडात्मक टैरिफ रद्द कर दिया। इसके बाद भारत ने रूसी तेल का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष आयात जारी रखने की अनुमति दी, जिससे एक्वा टाइटन ने मार्ग बदलकर भारत की ओर मोड़ लिया। इस कदम से भारत को वैश्विक ऊर्जा संकट के बीच अपनी तेल आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण राहत मिलने की उम्मीद है। न्यू मंगलोर पहुंचने के बाद तेल की सप्लाई देशभर में वितरण के लिए तैयार होगी, जिससे घरेलू बाजार में तेल और एलपीजी की किल्लत कम होगी।

यूएन में भारत का तीखा तेवर: पाकिस्तान को नहीं मिलेगा पानी

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत ने स्पष्ट किया है कि सिंधु जल संधि तब तक स्थगित रहेगी जब तक पाकिस्तान आतंकवाद को समर्थन देना बंद नहीं करता। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि हरीश ने कहा कि पाकिस्तान को संधि संबंधी चिंताएं उठाने से पहले मानव जीवन की पवित्रता का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने इसे आतंकवाद का वैश्विक केंद्र भी बताया। भारत ने 1960 की संधि पर सद्भावना से हस्ताक्षर किए थे, लेकिन पाकिस्तान ने युद्ध और आतंकवादी गतिविधियों के माध्यम से इसे कमजोर किया।

विश्व जल दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में दोनों देश मौजूद थे। पाकिस्तान ने मंच पर भारत पर बेबुनियाद आरोप लगाए और संधि रोक को लेकर भारत पर दोष फोड़ने की कोशिश की। इसके जवाब में भारत ने अपने जल जीवन मिशन और जल सुरक्षा के प्रयासों की जानकारी साझा की। हरीश ने कहा कि भारत सुरक्षित जल उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है और तकनीकी तथा पर्यावरणीय परिवर्तनों के बीच संधि में संशोधन के भारत के प्रयास को पाकिस्तान ने अस्वीकार किया। भारत ने साफ कर दिया कि पाकिस्तान जब तक आतंकवाद को बढ़ावा देता रहेगा, तब तक कोई संबंध नहीं रखेगा और न ही सिंधु जल के तहत पानी देगा। लंबे समय तक भारत ने पाकिस्तान के प्रति उदारता दिखाई, लेकिन इसके बावजूद पाकिस्तान ने अपनी नीति नहीं बदली। इसलिए, भारत ने स्पष्ट रूप से विश्व के सामने यह बता दिया कि पाकिस्तान को कोई पानी नहीं मिलेगा और संधि तब तक स्थगित रहेगी जब तक आतंकवाद की समस्या हल नहीं होती।

साउथ कोरिया की फैक्ट्री में भीषण आग, 10 मजदूरों की मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। दक्षिण कोरिया के देजेओन शहर में एक ऑटो पार्ट्स फैक्ट्री में भीषण आग लगने से 10 लोगों की मौत हो गई। बचाव कर्मियों ने बताया कि आग के दौरान 59 अन्य लोग सुरक्षित बचाए गए हैं, जबकि चार लोग लापता हैं। अधिकारियों ने आग की संभावित वजह विस्फोट बताई है। 25 लोग गंभीर रूप से घायल बताए गए हैं। घटना स्थल पर 500 से अधिक अग्निशमनकर्मी, पुलिस और आपातकालीन टीम तैनात की गई। आग ने फैक्ट्री बिल्डिंग को पूरी तरह नष्ट कर दिया और प्रारंभ में अग्निशमनकर्मी अंदर प्रवेश नहीं कर सके। बचाव कार्य के लिए मानवरहित अग्निशमन रोबोट का भी उपयोग किया

बचाव अभियान में अग्निशमन रोबोट और 500 कर्मियों की तैनाती

गया। बचाव के दौरान मलबे से 10 मृतक मजदूरों के अवशेष बरामद किए गए। इनमें एक व्यक्ति दूसरी मंजिल और नौ अन्य तीसरी मंजिल पर जिम जैसी जगह से मिले। शेष चार लापता लोगों के मलबे के नीचे होने की आशंका है। मृतकों की पहचान में एक मजदूर की पुष्टि हो चुकी है, जबकि अन्य नौ के लिए जेनेटिक टेस्टिंग जारी है। आग से बचने के प्रयास में कई लोग इमारत से कूद गए, जिससे चोटें आईं। बचाव अभियान में 100 किलोग्राम से अधिक विस्फोटक रसायन को सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया।

पति को घर के कामकाज में बराबरी से हाथ बंटाना होगा: सुप्रीम कोर्ट

यूनिक समय, नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि पति को अपनी पत्नी के साथ खाना पकाने, घर की साफ-सफाई और कपड़े धोने जैसे घरेलू कामकाज में बराबरी से हिस्सा लेना होगा। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने यह टिप्पणी कर्नाटक हाई कोर्ट के एक आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई के दौरान की।

मामले में पति और पत्नी का विवाह मई 2017 में हुआ था और 2019 से वे अलग रह रहे हैं। पति ने तलाक की याचिका दायर की थी और अधीनस्थ अदालत ने क्रूरता के आधार पर तलाक को मंजूरी दी थी। हाई कोर्ट ने इसे रद्द कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने पूछा कि कथित क्रूरता क्या थी। पति के वकील ने कहा कि पत्नी अनुचित व्यवहार कर रही थी और खाना नहीं पका रही थी। न्यायमूर्ति नाथ ने कहा कि पति को हर घरेलू काम में हाथ बंटाना होगा। न्यायमूर्ति मेहता ने जोड़ते हुए कहा कि "आपने किसी घरेलू सहायिका से शादी नहीं की, बल्कि जीवन संगिनी से की है।" पीठ ने दोनों पक्षों को अदालत में उपस्थित होने के लिए कहा और मामले की अगली सुनवाई 27 अप्रैल के लिए निर्धारित की गई। सुप्रीम कोर्ट का यह निर्देश समय के बदलाव और घरेलू जिम्मेदारियों में समानता की आवश्यकता पर जोर देता है।

हिमाचल में भारी हिमपात और भूस्खलन, मंडी-कुल्लू मार्ग बंद

यूनिक समय, नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश के मनाली, लाहौल और स्पीति जिले में लगातार हिमपात जारी है। अटल सुरंग, सोलांग और रोहतांग दर्रा 90 से 120 सेंटीमीटर मोटी बर्फ की चादर से ढक गए हैं। भुंतर-मणिकरण सड़क भूस्खलन के कारण बंद हो गई है, जबकि मंडी-कुल्लू मार्ग पर भी वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित किया गया है। प्रशासन ने केवल नेहरू कुंड तक ही जाने की अनुमति दी है। भूस्खलन के कारण कई इलाकों में बड़े पत्थर और मलबा सड़क पर गिरा, जिससे वाहन फंसे। मनाली के पास नेशनल हाईवे और कुल्लू जिले में भूतनाथ ब्रिज के पास चट्टान गिरने की खबरें मिली हैं। लाहौल घाटी भी बर्फबारी से कट गई है। मैदानी इलाकों में भी बारिश का असर दिख रहा है। चंडीगढ़ में लगातार बारिश और ठंडी हवाओं के कारण तापमान 18.8 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। पंजाब और हरियाणा के कई हिस्सों में भी बारिश हुई।

मौसम विभाग ने शिमला, चंबा, कांगड़ा, कुल्लू और मंडी जिलों में गरज के साथ बारिश और तेज हवाओं के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। 22 मार्च से नया वेस्टर्न डिस्टर्बेंस उत्तर-पश्चिम भारत को प्रभावित कर सकता है, जबकि 26 मार्च से और एक एक्टिव सिस्टम की संभावना है। पहाड़ी इलाकों में रह रहे लोगों को बसंत में सर्दियों जैसे मौसम का सामना करना पड़ रहा है।

बस में लगी आग, कांग्रेस विधायक समेत 37 यात्री बाल बाल बचे

यूनिक समय, नई दिल्ली। भुवनेश्वर से मलकानगिरी जा रही एक निजी बस में अचानक भीषण आग लग गई, जिसमें 37 यात्री सवार थे। बस में मलकानगिरी के कांग्रेस विधायक मंगू खिला भी मौजूद थे। घटना सुबह करीब 3 बजे ओडिशा-आंध्र प्रदेश सीमा के पास रामभद्रपुरम इलाके में हुई। आग लगते ही यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। बस ड्राइवर की सूझ-बूझ और यात्रियों की सतर्कता से सभी लोग समय रहते बाहर निकलने में सफल रहे।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी। कुछ ही मिनटों में पूरी बस जला दी गई, केवल उसका जला हुआ ढांचा बचा। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और स्थानीय प्रशासन मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाया। प्रशासन ने फंसे यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए तुरंत वैकल्पिक बस की व्यवस्था की। ओडिशा के परिवहन मंत्री बिभूति भूषण जेना ने ट्वीट कर घटना पर दुख जताया। उन्होंने विधायक मंगू खिला और अन्य यात्रियों की सुरक्षा की पुष्टि की और क्षेत्रीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी यात्रियों को सुरक्षित उनके गंतव्य तक पहुंचाया जाए।

प्रशासन ने आग लगने के कारणों की जांच शुरू कर दी है। सौभाग्य से किसी के घायल होने की खबर नहीं है और सभी यात्रियों की स्थिति सुरक्षित बताई जा रही है।

नरी सेमरी देवी मंदिर में हुई चमत्कारिक तीज महाआरती

यूनिक समय, छाता। जनपद के नरी सेमरी स्थित प्राचीन देवी मंदिर में शनिवार देर शाम चैत्र तीज के अवसर पर भव्य और चमत्कारिक महाआरती का आयोजन श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस विशेष आरती को देखने के लिए दूर-दराज से बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर परिसर में एकत्रित हुए। मंदिर परिसर में आस्था का ऐसा सैलाब उमड़ा कि हर ओर "जय माता दी" के जयकारों से वातावरण गूंज उठा। इस महाआरती की सबसे खास बात इसकी अद्भुत और अलौकिक परंपरा है। मान्यता के अनुसार, माता रानी के धातु भगत के

चमत्कारिक महाआरती में उमड़ी भक्तों की भारी भीड़

वंशज हर वर्ष आगरा से आकर चैत्र तीज के दिन इस आरती का आयोजन करते हैं। आरती के दौरान अग्नि की तेज लपटों के बीच भी कपड़ा न जलने का दृश्य श्रद्धालुओं को आश्चर्यचकित कर देता है, जिसे भक्त माता की कृपा और चमत्कार के रूप में देखते हैं। मंदिर को इस अवसर पर आकर्षक ढंग से सजाया गया था, जिससे पूरा परिसर भक्ति और सौंदर्य का अद्भुत संगम नजर आया। श्रद्धालुओं को सुगम और सुरक्षित दर्शन कराए जाने के लिए प्रशासन द्वारा विशेष प्रबंध किए गए थे। मेला प्रभारी एवं चौकी इंचार्ज ललित कुमार भारी पुलिस बल के साथ सुरक्षा व्यवस्था संभाले रहे।

इस दौरान मंदिर पुजारी और सेवादारों में मनोज कुमार, राजू सिंह, देवेंद्र सिंह, पुष्पेंद्र, गोकुल महाराज, नत्थी सिंह, महिपाल, विक्रम सिंह, हरेंद्र, श्याम सिंह और देवो जादौन सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। पूरी श्रद्धा और शांति के साथ संपन्न हुई यह महाआरती भक्तों के लिए अविस्मरणीय अनुभव बन गई।

लेनदेन विवाद में चचेरे भाइयों का अपहरण, यूपीआई से वसूले पैसे

यूनिक समय, आगरा। लेनदेन के विवाद ने खतरनाक रूप ले लिया, जहां चचेरे भाइयों को बुलाकर उनके साथ मारपीट और अपहरण की घटना सामने आई। पीड़ित सोनू के अनुसार, आरोपी ने पैसे लौटाने के बहाने उन्हें बुलाया, जहां पहले से मौजूद लोगों ने हमला कर दोनों को जबरन गाड़ियों में डाल लिया।

आरोपियों ने सोनू से जबरन यूपीआई की जानकारी लेकर उसके खाते से 43 हजार रुपये ट्रांसफर कर लिए। इसके बाद मोबाइल की सिम निकालकर फोन रीसेट कर दिया। करीब चार घंटे तक दोनों को अलग-अलग जगहों पर घुमाकर बेरहमी से पीटा गया। इतना ही नहीं, आरोपियों ने वीडियो बनाकर दबाव डाला और खाली स्टांप पेपर पर हस्ताक्षर भी करवा लिए। बाद में दोनों को सुनसान इलाके में छोड़ते हुए जान से मारने की धमकी दी गई। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने 11 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गांजे के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। कोतवाली पुलिस ने एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 670 ग्राम गांजा बरामद किया है। कोतवाली पुलिस ने मोती मंजिल की सड़क के समीप से एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। अभियुक्त सद्दाम निवासी ज्योतिनगर मदीना मस्जिद के पास कृष्णानगर की तलाशी में 670 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ है। पुलिस ने उसके खिलाफ एडीपीसी एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

गोवर्धन स्थित मानसी गंगा में दुग्धाभिषेक करती राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू।

राष्ट्रपति की ड्यूटी में लगे पुलिस कर्मियों को मिला मुफ्त भोजन

यूनिक समय, मथुरा। राष्ट्रपति के दौरे के दौरान ड्यूटी पर लगे अन्य जनपदों से आए पुलिसकर्मियों के लिए वृंदावन में मुफ्त भोजन की व्यवस्था की गई। यह व्यवस्था विजय कौशल महाराज की रसोई में की गई, जहां कई पुलिसकर्मियों ने भोजन किया।

जानकारी के अनुसार, राष्ट्रपति की सुरक्षा ड्यूटी के लिए अलग-अलग जिलों से पुलिसकर्मी वृंदावन पहुंचे हैं और लगातार अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। ऐसे में उनके भोजन की व्यवस्था करना जरूरी था। इसे देखते हुए विजय कौशल महाराज ने अपनी रसोई में उनके लिए भोजन की सुविधा कराई।

वहीं, स्थानीय लोगों ने भी इस काम की सराहना की। लोगों का कहना है कि इस तरह के कार्य समाज के लिए अच्छे उदाहरण होते हैं। विजय कौशल महाराज द्वारा किया गया यह सेवा कार्य सभी के लिए प्रेरणादायक है।

वृंदावन में विजय कौशल महाराज की रसोई में की गई व्यवस्था, लोगों ने की तारीफ

हिरासत में लिए गए लोग रिहा होंगे

यूनिक समय, मथुरा। घटना की जांच से जुड़े अधिकारी ने बताया, शांति व्यवस्था से किसी को खिलवाड़ नहीं करने देंगे। आज सुबह काफी कोहरा था। यह हादसा है। आगे का कंटेनर उन्होंने रुकवाया था और पीछे से ट्रक आया है। हम जांच करेंगे। जिला अधिकारी ने बताया कि पथराव करने वाले जिन लोगों को हिरासत में लिया गया है, उन्हें रिहा कर दिया जाएगा।

साधु-संतों ने दुख जताया

यूनिक समय, मथुरा। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के महामंत्री और पंचदशनाम जूना अखाड़े के संरक्षक महंत हरि गिरी ने फरसा वाले बाबा की मौत पर गहरा दुख और चिंता व्यक्त किया है। उन्होंने कहा है कि ऐसी घटनाएं समाज को पूरी तरह से झकझोर कर रख देती हैं। संत समाज भी इस घटना से बेहद आहत है। पंचदशत नाम जूना अखाड़े के जगतगुरु स्वामी चक्रपाणि नंद गिरी महाराज ने भी फरसा वाले बाबा की मौत को दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया है। उन्होंने कहा है कि राष्ट्र रक्षा, धर्म रक्षा और गौ रक्षा की बात करते थे।

डीएम बोले गौरक्षकों को लाइसेंस मिलेगा

यूनिक समय, मथुरा। डीएम ने बताया कि शनिवार थोड़ा कानून व्यवस्था बाधित हुई थी, जिसमें प्रशासन ने जनमानस के साथ बातचीत की। लोगों ने मांग रखी कि बाबा गाय की सेवा करते थे तो उनकी गौशाला का क्या होगा। सरकार का दायित्व है कि गोवंश की रक्षा करे। बाबा जी को शहीद का दर्जा देने के मांग की थी। स्मारक बनाने की मांग थी। गौरक्षकों को पात्रता दी जाए तो पात्र को नियम के तहत लाइसेंस दिया जाएगा। राजस्थान की तरह यहां पर टास्क फोर्स बनाने की बात की गई थी। हम लोगों से निवेदन करना चाहते हैं कि अफवाह से बचें। बाबा जी की हत्या की अफवाह फैलाई गई। आपको बता दे की बाबा जी की मृत्यु दुर्घटना में हुई है। अगर कोई और बात होगी तो उसकी भी जांच की जाएगी। जिला में ट्रक में वह जांच कर रहे थे, उसमें फॉर्चून का सामान मिला, जिससे एक्सीडेंट हुआ वह राजस्थान का था और उसमें तार भरा हुआ था।

महिला ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

यूनिक समय, मथुरा। थाना हाईवे के देवीपुरा इलाके में एक महिला ने गृह क्लेश के चलते फांसी लगाकर आत्म हत्या कर ली।

गांव देवीपुरा निवासी गुड्डी की पत्नी मधु 28 साल ने घर में पति से किसी बात को लेकर हुई कहासुनी से नाराज होकर घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिवारीजनों को जब इस घटना का पता लगा तो हड़कंप मच गया। पुलिस को भी इस बारे में सूचना दी गई। मौके पर पहुंची हाईवे पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्ट मार्टम के लिए भेज दिया। एसओं का कहना है कि अभी इस मामले में कोई तहरीर नहीं दी गई है। तहरीर मिलने के बाद कार्यवाही की जाएगी।

डेढ़ करोड़ का सोना लेकर भागने वाले का साथी गिरफ्तार

यूनिक समय, आगरा। सर्राफा कारोबारी के यहां से करीब 1.50 करोड़ रुपये कीमत का सोना गायब करने के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। मुख्य आरोपी के बाद अब उसके रिश्तेदार को भी महाराष्ट्र से गिरफ्तार किया गया है। आरोपी के पास से लग्जरी कार, सोना और अन्य सामान बरामद हुआ है। पुलिस ने बताया कि कश्मीरी बाजार स्थित एक सर्राफा व्यापारी ने जून 2025 में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र के सांगली जिले का रहने वाला कारीगर सूरज आनंदा उनके यहां सोना गलाने का काम करता था। 21 जून को उसे 1 किलो 70 ग्राम सोना एक ज्वैलर के यहां पहुंचाने के लिए दिया गया था, लेकिन

वह सोना लेकर फरार हो गया और अपना मोबाइल फोन भी बंद कर लिया। मामले की जांच के बाद पुलिस ने 4 सितंबर 2025 को मुख्य आरोपी सूरज को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। पूछताछ में सामने आया कि उसने चोरी का कुछ सोना अपने रिश्तेदारों को भी दिया था। इसी कड़ी में पुलिस ने महाराष्ट्र के सतारा जिले से उसके फुफेरे भाई दिलीप फूलचंद वायदंडे को गिरफ्तार किया। पूछताछ में दिलीप ने बताया कि

चोरी के पैसों से खरीदी लग्जरी कार

सूरज चोरी का सोना लेकर उसके पास आया था और लालच में आकर उसने सोना अपने पास रख लिया। इसी सोने के पैसे से उसने एक लग्जरी कार भी खरीद ली। पुलिस ने आरोपी के पास से 115 ग्राम से अधिक सोना, एक लग्जरी कार, मोबाइल फोन और अन्य दस्तावेज बरामद किए हैं। आरोपी को अदालत में पेश कर जेल भेज दिया गया है। फिलहाल पुलिस पूरे नेटवर्क की जांच कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि चोरी का बाकी सोना कहां गया।

गैस बुकिंग पर नया नियम, नौ महीने तक सिलेंडर न लेने वालों पर कार्रवाई

यूनिक समय, आगरा। एलपीजी गैस उपभोक्ताओं के लिए एक बड़ा अपडेट सामने आया है। गैस एजेंसियों ने उन कनेक्शनों की सेवाएं अस्थायी रूप से बंद कर दी हैं, जिनमें पिछले नौ महीनों से सिलेंडर की बुकिंग या रिफिल नहीं कराई गई। इस फैसले के बाद कई उपभोक्ताओं को गैस बुकिंग में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

एलपीजी गैस डिस्ट्रीब्यूटर्स एसोसिएशन के अनुसार, खाड़ी देशों में चल रहे तनाव के कारण गैस की मांग अचानक बढ़ गई है। ऐसे में कई ऐसे उपभोक्ता भी बुकिंग करने लगे, जिन्होंने लंबे समय से अपने कनेक्शन का उपयोग नहीं किया था। इसे देखते हुए एजेंसियों ने निष्क्रिय कनेक्शनों को अस्थायी रूप से बंद करने का निर्णय लिया है। अब

जिन उपभोक्ताओं ने नौ महीने या उससे अधिक समय तक सिलेंडर नहीं लिया है, उन्हें दोबारा गैस बुकिंग शुरू करने के लिए केवाईसी कराना अनिवार्य होगा। केवाईसी के जरिए यह सुनिश्चित किया जाएगा कि कनेक्शन सक्रिय है और सही व्यक्ति के नाम पर उपयोग हो रहा है। बताया जा रहा है कि ऐसे कई उपभोक्ता, जिनके पास पहले से पीएनजी कनेक्शन है, वे भी एलपीजी सिलेंडर की बुकिंग कर रहे थे। इससे सिस्टम पर अनावश्यक दबाव बढ़ रहा था। अधिकारियों ने ऐसे उपभोक्ताओं

पीएनजी कनेक्शन वाले भी एलपीजी सिलेंडर की बुकिंग करने लगे

से अपील की है कि वे अपना एलपीजी कनेक्शन सरेंडर करें, ताकि जरूरतमंद लोगों को आसानी से गैस मिल सके। इंडियन ऑयल के अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि गैस की कोई वास्तविक कमी नहीं है, लेकिन अनावश्यक बुकिंग से वितरण व्यवस्था प्रभावित हो रही है। इसलिए यह कदम व्यवस्था को संतुलित रखने के लिए उठाया गया है। उपभोक्ताओं को सलाह दी गई है कि वे समय पर केवाईसी पूरा कराएं और केवल जरूरत होने पर ही सिलेंडर बुक करें, ताकि सभी को सुचारू रूप से गैस उपलब्ध हो सके।

अवकाश के दिनों में भी खुलेंगे कर विभाग के कार्यालय

यूनिक समय, मथुरा। महापौर और नगर आयुक्त के निर्देशानुसार शहर के भवन स्वामियों को गृहकर जमा करने में किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए नगर निगम का कर विभाग अब अवकाश के दिनों में भी खुले रहेगा। नगर निगम प्रशासन ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 की समाप्ति में अब केवल कुछ दिन शेष हैं।

निर्धारित लक्ष्य की पूर्ति और भवन स्वामियों से प्राप्त आपत्तियों के निस्तारण के लिए सभी जोनल कार्यालयों में अवकाश के दिनों में भी

31 मार्च तक जमा करें गृहकर

कर्मचारी और अधिकारी उपस्थित रहेंगे। रविवार को भी पूर्व की भांति कर विभाग के कार्यालय खुले रहेंगे, जिससे लोग आसानी से अपना गृहकर जमा कर सकें। नगर निगम ने भवन स्वामियों से अपील की है कि वे अपने नजदीकी जोनल कार्यालय में जाकर समय रहते गृहकर का भुगतान कर दें। 31 मार्च के बाद बकाया गृहकर राशि पर 12 प्रतिशत वार्षिक ब्याज देना होगा।